Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

# समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में
सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 88 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये दुर्ग, शनिवार 07 फरवरी 2026 www.samaydarshan.in

## संक्षिप्त समाचार

### सिलादेही (सोनबरसापारा) में अखंड नवधा रामायण शुभारंभ आज से

**बिर्रा- समय दर्शन** //बम्हनीडीह विकासखंड के अंतर्गत ग्राम सिलादेही (सोनबरसापारा) में मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम जी की अमृतमय गाथा अखंड नवधा रामायण का शुभारंभ6 फरवरी को होगा। आचार्य पं. खूबकेश्वर तिवारी (सिलादेही) होगे।6फरवरी को वेदी पूजन देव आह्वान के साथ रामायण कथा का शुभारंभ होगा। 14फरवरी को चयनित मानस मंडलियों का फाइनल मानस गायन प्रतियोगिता होगा।जिन्हे समिति एवं समस्त सहयोगी जनों के द्वारा नगद राशि और स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया जायेगा। जिसमें प्रथम पुं. 10001रूपए,. द्वितीय7000,तृतीय,5000,चतुर्थ 4000,पंचम 3000, षष्ठ 2000, सतम1500,अष्टम 1000,नवम् 1000, दशम् 1000रूपए एवं प्रत्येक चयनित पार्टी उपाध्यक्ष जीवन साहू द्वारा शील्ड प्रदान किया जायेगा।आयोजन को लेकर समस्त सोनबरसा पारा मोहल्लेवासी जुटे हुये है।15फरवरी को यज्ञ हवन पूर्णाहुति सहस्त्रधारा के साथ अखंड नवधा रामायण का समापन होगा।

### नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने जिला न्यायालय में बैठक आयोजित

**मुंगेली( समय दर्शन )**राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के तत्वावधान में आगामी 14 मार्च को जिले में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने के उद्देश्य से जिला न्यायालय परिसर के मीटिंग हॉल में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती गिरिजा देवी मेरावी ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अधिकाधिक प्रकरण चिन्हित कर लोक अदालत में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, ताकि आम नागरिकों को त्वरित, सुलभ एवं नि:शुल्क न्याय का लाभ मिल सके। बैठक में नेशनल लोक अदालत के माध्यम से न्यायालयों में लंबित प्री-लिटिगेशन एवं अन्य प्रकरणों के निराकरण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती मेरावी ने कहा कि नेशनल लोक अदालत न्यायिक प्रणाली में विश्वास बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है। बैठक में अधिकारियों से लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा नागरिकों को अधिकाधिक संख्या में जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार सोम, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती जसविंदर कौर अजमानी मलिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती कंचन लता आचला सहित नगर पालिका, विद्युत विभाग एवं बीएसएनएल विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

### विधानसभा सत्र के दौरान अधिकारियों-कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंध

**जांजगीर-चांपा/** छत्तीसगढ़ की षष्ठम विधानसभा का अष्ठम् सत्र सोमवार 23 फरवरी 2026 से प्रारंभ होने के फलस्वरूप विधानसभा सत्र के अवसान तक जिले के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों के अवकाश पर तत्काल प्रतिबंध लगाया गया है। कोई भी अधिकारी, कर्मचारी किसी भी प्रकार के अवकाश पर प्रस्थान नही करेंगे एवं अपने निर्धारित मुख्यालय पर ही रहेगें। कार्यालय प्रमुख अपने अधिनस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों को कोई अवकाश स्वीकृत नहीं करेगे। अवकाश की नितांत आवश्यकता होने पर कलेक्टर जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.) द्वारा ही अवकाश स्वीकृत किये जायेंगे। सभी अधिकारी, कर्मचारी अपने मोबाईल नम्बर पर उपलब्ध रहना सुनिश्चित करेगे।

# आस्था, परंपरा और एकता का संगम बना शबरी मेला महोत्सव : प्रकाश सिन्हा

**शबरी माता माघ पूर्णिमा मेला में पहुंचे जनपद सभापति मधु खूंटे एवं प्रकाश सिन्हा**

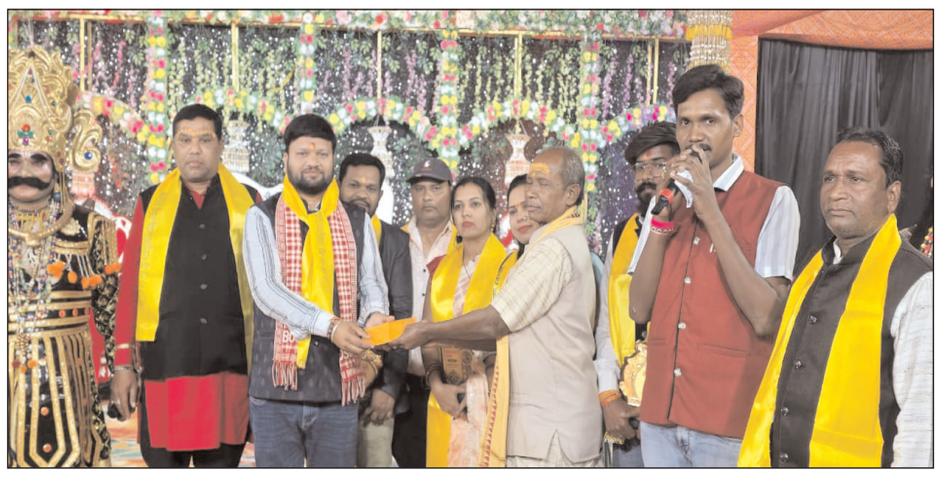

**बसना ( समय दर्शन )।** बसना विकास खण्ड के ग्राम सिंघनपुर में आयोजित श्री शबरी माता माघ पूर्णिमा मेला महोत्सव का समापन कार्यक्रम देर रात तक श्रद्धा, आस्था एवं सांस्कृतिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

इस गरिमामय अवसर पर जनपद पंचायत बसना के सभापति एवं जनपद सदस्य क्षेत्र क्र. 21 अंकोरी प्रकाश सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान प्रकाश सिन्हा ने शबरी माता की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। सवरा समाज के संरक्षक जयदेव भोई, प्रदेश प्रवक्ता एवं संचालक डॉ. तपन भोई समेत पदाधिकारियों द्वारा समस्त अतिथियों का अंगवस्त्र एवं मोमेंटो भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

श्री सिन्हा ने अपने संबोधन मे कहा कि शबरी माता माघ पूर्णिमा मेला महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सवरा समाज की आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का सशक्त प्रतीक है।

विराट धनुजात्रा, मीना बाजार, दंड नृत्य एवं फूलझड़ी जैसे आयोजनों ने नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। ऐसे आयोजन समाज की जड़ों को मजबूत करते हैं और संस्कारों को आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से गांव के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील भी की।

इस अवसर पर जनपद सभापति मधु प्रेम खूंटे, विधायक प्रतिनिधि अरविंद मिश्रा, पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष सेवकदास दीवान, सचिव आर.के. दास, पत्रकार मनहरण सोनवानी, राजू कीर्ति चौहान, डॉ. मुकेश प्रधान, प्रमीत साहू सहित बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी एवं श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

पूरे मेला महोत्सव के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने क्षेत्र में उत्सव का वातावरण बनाए रखा।

# ग्राम बल्दीडीह में नए गौ धाम के शुभारंभ की तैयारी, गौ सेवा आयोग ने किया स्थल निरीक्षण

**सांकरा( समय दर्शन )।** ग्राम बल्दीडीह में प्रस्तावित नए गौ धाम के शुभारंभ को लेकर गौ सेवा आयोग के पदाधिकारियों द्वारा स्थल का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर गौ सेवा आयोग जिला अध्यक्ष नीलेश पटेल, जिला सदस्य गीतेश पण्डा, गौ सेवा आयोग महासमुंद विकास खण्ड सदस्य राजा अग्रवाल तथा कमलेश डड़सेना विशेष रूप से उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान गौ धाम में गौवंश के लिए पेयजल, चारा, शेड, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था एवं चिकित्सा सुविधा जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि गौ धाम प्रारंभ होने से क्षेत्र के निराश्रित एवं बेसहारा गौवंश को सुरक्षित आश्रय मिलेगा।

गौ सेवा आयोग के पदाधिकारियों ने गौ धाम संचालन को सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं सेवा भावना से संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्थानीय गौ सेवकों एवं ग्रामीणों के सहयोग से गौ संरक्षण को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया गया।

जिनका समय समय पर निरीक्षण के पश्चात शीघ्र ही सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर गौ धाम को विधिवत प्रारंभ किए जाने की जानकारी दी गई।साथ ही आवेदित महिला स्व. सहायता समूह के मातृशक्तियों से मिलकर उनसे विस्तृत चर्चा की गई और बताया गया कि गौधाम योजना से महिला शशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए रोजगार के अनेकों साधन है, जिनका समय समय पर गौधाम समिति द्वारा उक्त गौधाम में कार्यशाला आयोजित कर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

जिनका समय समय पर गौधाम समिति द्वारा उक्त गौधाम में कार्यशाला आयोजित कर प्रशिक्षण दिया जाएगा

# जिला शिक्षाधिकारी दुर्ग के नेतृत्व में हुआ केंद्रीयकृत परीक्षा, उल्लास संबंधी बैठक धमधा मे

**अहिवारा।** जिला शिक्षाधिकारी दुर्ग के नेतृत्व में हुआ केंद्रीयकृत परीक्षा ,उल्लास संबंधी बैठक धमधा में विकास खण्ड धमधा में समस्त प्राथमिक माध्यमिक प्रधान पाठको का केंद्रीय कृत परीक्षा एवं उल्लास,अपार, एमबीयू,जाति प्रमाण पत्र ,छात्रवृत्ति सम्बन्धी आवश्यक बैठक बालक उच्चतर माध्यमिक शाला धमधा में समपन्न हुआ। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद मिश्रा जी ने प्रधान पाठको को केंद्रीकृत परीक्षा कक्षा 5 वी और 8 वी के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा केंद्रीकृत परीक्षा का आयोजन पूरे विश्वसनीयता,गंभीरता , पवित्रता और निष्पक्ष आयोजन होना चाहिए।शत प्रतिशत छात्रों को शामिल कराना है,सभी छात्रों का एमबीयू पूर्ण करना है,अपार आई डी सभी छात्रों का शत प्रतिशत बनाना है।वीएसके ऐप में सभी शिक्षको पंजीयन होना चाहिए और उपस्थिति ऐप में दर्ज करने का निर्देश दिया गया,साथ ही उल्लास नवभारत में असाक्षरों का सर्वेक्षण कर वीएसके ऐप में पंजीयन करने का निर्देश दिया गया।केंद्रीकृत परीक्षा के नोडल श्री मती पुष्पा परषोत्तमन ने केंद्रीकृत परीक्षा कक्षा 5 और 8 के लिए सभी प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक, शासकीय, अशासकीय विद्यालयों के संस्था प्रमुखो को अवशायक दिशा निर्देश सहित विस्तारपूर्वक चर्चा किया गया। प्रयोजना कार्य किस प्रकार और कितने अंक के होंगे, नोमिरोल को किस प्रकार बिना त्रुटि के बनाया जाना है,परीक्षा की तैयारी किस प्रकार कराया जाना है, परीक्षा आयोजन के पूर्व ,दौरान और बाद की गतिविधियों पर आवश्यक निर्देश दिए गए। नोडल अधिकारी पुष्पा मैडम के द्वारा उल्लास नवभारत के लिए असाक्षरों का सर्वे करना और उसे वीएसके ऐप में कैसे प्रविष्टि किया जाना है बताया गया,ग्राम प्रभारी अपना पंजीयन कैसे करेगें,सीएसी कैसे वेरिफाई करेंगे और उसके बाद असाक्षरो को ग्राम प्रभारी कैसे पंजीकृत करेंगे विस्तार से बताया गया। इस बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद मिश्रा,सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी श्री मती संगीता देवांगन, विकसखंड स्त्रोत समन्वयक श्री केशव पटेल , शरद देशमुख दुर्ग, संकुल समन्वयक सूर्यकांत हरदेल,दिनेश साहू,टीकम वर्मा,टामन वर्मा,वीरेन्द्र देवांगन,पुष्पेंद्र,राजेंद्र साहू , लक्ष्मीनारायण ठाकुर, इनू राम पटेल, किशोर तिवारी सहित सभी सीएसी,टीकम बंजारे ,कर्मचारी,बीआरसी कार्यालय,समस्त शासकीय, अशासकीय के संस्था प्रमुख उपस्थित रहे।

# सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पथरिया में नि:शुल्क मानसिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित

**शिविर में 14 मानसिक रोगियों सहित 32 मरीजों का हुआ ईलाज**

**मुंगेली( समय दर्शन )** कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा के मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पथरिया में नि:शुल्क मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला नोडल अधिकारी व प्रभारी मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम मनोचिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय ओबेरॉय, सोशल वर्कर विश्वनाथ चंद्राकर एवं नर्स रूपाली मसीह द्वारा मानसिक रोगियों को उचित परामर्श प्रदान करते हुए आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं।

शिविर में 14 मानसिक रोगियों सहित 32 मरीजों का ईलाज किया गया। चिकित्सकों द्वारा मानसिक तनाव, अवसाद, चिंता, अनिद्रा सहित अन्य मानसिक रोगों की जांच की गई। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए बताया गया कि का उपचार जिला चिकित्सालय मुंगेली के मानसिक रोग विभाग के स्पर्श क्लिनिक में नि:शुल्क उपलब्ध है।

### क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना अंतर्गत प्रतिभा खोज के तहत खिलाड़ियों से खेलवृत्ति हेतु आवेदन आमंत्रित

**जांजगीर-चांपा, 06 फरवरी 2026/** क्रीड़ा प्रोत्साहन योजनांतर्गत प्रतिभा खोज कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के पात्र खिलाड़ियों से खेलवृत्ति वर्ष 2025-26 हेतु आवेदन 16 फरवरी 2026 कार्यालयीन समय तक आमंत्रित किए गए हैं। जिला खेल अधिकारी ने बताया कि उक्त योजना अंतर्गत खेल प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को खेलवृत्ति प्रदान किए जाने का प्रावधान है। इच्छुक खिलाड़ी कार्यालय जिला खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण जांजगीर-चांपा में राज्य खेल संघों से प्रमाणिकरण संबंधित सहित आवेदन जमा कर सकते हैं। आवेदन पत्र का प्रारूप एवं विस्तृत जानकारी वेबसाईट https://sportsyw.cg.gov.in पर उपलब्ध है।

जिला खेल अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक वित्तीय वर्ष में प्रतिभा खोज कार्यक्रम के तहत खेल प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को खेलवृत्ति दी जाएगी। प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ओलंपिक, कामनवेल्थ, एशियाड एवं नेशनल गेम्स में शामिल खेलों के राष्ट्रीय खेल/राष्ट्रीय चैंपियनशिप के सीनियर, जूनियर एवं सब जूनियर वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सीनियर वर्ग हेतु क्रमश: 75 हजार, 50 हजार, 40 हजार, जूनियर वर्ग हेतु क्रमश: 60 हजार, 40 हजार, 30 हजार तथा सब जूनियर वर्ग हेतु क्रमश: 50 हजार, 25 हजार, 20 हजार की खेलवृत्ति प्रदान की जाएगी। एकल एवं दलीय खेलों में वास्तविक रूप से प्रतियोगिता में खेले हुए खिलाड़ी ही पात्र होंगे, जिसका प्रमाण संबंधित खेल संघ पदाधिकारियों के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा। खेलवृत्ति की स्वीकृति हेतु संचालक, खेल एवं युवा कल्याण सक्षम अधिकारी होंगे।

पात्रता - खिलाड़ी छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना चाहिए तथा प्रतियोगिता में राज्य की ओर से प्रतिनिधित्व किया होना अनिवार्य है। यदि खिलाड़ी एक से अधिक वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करता है, तो श्रेष्ठतम वर्ग के आधार पर खेलवृत्ति प्रदान की जाएगी। प्रत्येक वित्तीय वर्ष में एक खिलाड़ी को केवल एक बार ही खेलवृत्ति की पात्रता होगी। यदि किसी खिलाड़ी ने दो अलग-अलग वर्गों में पदक अर्जित किया है, तो उसकी सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि के आधार पर खेलवृत्ति प्रदान की जाएगी। खेलवृत्ति राशि अधिकतम 25 वर्ष आयु तक के खिलाड़ियों को दी जाएगी। आवेदन वर्ष के विगत वर्ष में अर्जित उपलब्धियों के आधार पर पात्रता का निर्धारण किया जाएगा। विगत वर्ष 2024-25 में अर्जित उपलब्धियों के आधार पर योजनांतर्गत खेलवृत्ति प्रदान की जानी है।

# ग्राम पंचायत गुंजियाबोड में अवैध राखड़ डंपिंग पर प्रशासन मौन

**जिम्मेदार अधिकारी बने मूकदर्शक, जनता भुगत रही परिणाम**

**सक्ती** - जिले के हसौद तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत गुंजियाबोड इन दिनों अवैध राखड़ डंपिंग का गढ़ बनता जा रहा है, लेकिन हैरत की बात यह है कि जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी इस गंभीर मामले पर आंख मूंदे बैठे हैं। सोन नदी के तट पर कंपनियों से निकलने वाली जहरीली राखड़ की खुलेआम डंपिंग हो रही है, फिर भी न तो तहसील प्रशासन हरकत में है और न ही प्रदूषण विभाग कोई ठोस कार्रवाई करता नजर आ रहा है।

अवैध राखड़ डंपिंग को लेकर लगातार दैनिक अखबारों में खबरें प्रकाशित हो रही हैं, बावजूद इसके प्रशासनिक तंत्र की निष्क्रियता कई सवाल खड़े कर रही है। आखिर ऐसी कौन-सी मजबूरी है कि अधिकारी कानून का पालन कराने में असफल साबित हो रहे हैं? या फिर कहीं न कहीं इस अवैध कारोबार को रसूखदार लोगों का संरक्षण प्राप्त है?

प्रदूषण नियंत्रण विभाग बिलासपुर के स्पष्ट दिशा-निर्देशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, लेकिन विभागीय अधिकारी सिर्फ कागजी कार्रवाई तक ही सीमित नजर आ रहे हैं। बरसात के मौसम में जब यही जहरीली राखड़ बहकर सोन नदी में मिलेगी, तब इसके दुष्परिणाम आमजन, पशुधन और पर्यावरण को भुगतने पड़ेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है, लेकिन प्रशासन की चुप्पी यह दर्शाती है कि मानो किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा हो। सवाल यह है कि क्या प्रशासन किसी जनहानि के बाद ही जागेगा? या फिर जिम्मेदार अधिकारी अब भी अपनी कुर्सियों की नींद में डूबे रहेंगे?

अब देखने वाली बात यह होगी कि खबरों और जनआक्रोश के दबाव में प्रशासन कब तक हाथ पर हाथ धरे बैठा रहता है और कब इस अवैध राखड़ डंपिंग पर प्रभावी कार्रवाई की जाती

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

# समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

शनिवार 07 फरवरी 2026

www.samaydarshan.in


### स्वीकृत विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

## स्थानीय जरूरतों और जन आकांक्षा के अनुरूप स्वीकृत होंगे विकास कार्य- मुख्यमंत्री साय

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण की प्रथम बैठक जिला मुख्यालय दुर्ग स्थित लोक निर्माण विभाग के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में प्राधिकरण के अंतर्गत स्वीकृत प्रमुख विकास कार्यों, प्राधिकरण मद से निर्माणाधीन कार्यों के अनुमोदन, प्रावधानित बजट तथा नवीन स्वीकृत कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के पिछड़ा वर्ग समुदाय के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक उत्थान हेतु संचालित योजनाओं की प्रगति का आकलन करना तथा भावी विकास रणनीतियों का निर्धारण करना था, ताकि विकास का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक प्रभावी रूप से पहुँच सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्राधिकरण के अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वीकृत बजट का समय पर एवं पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का लाभ सीधे आमजन तक पहुँचना चाहिए और इसके लिए सभी स्तरों पर सतत निगरानी आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले के अंतर्गत स्वीकृत सभी विकास कार्यों, सेवाओं एवं कार्यक्रमों का बेहतर संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्रों के हित को प्राथमिकता में रखते हुए सभी स्वीकृत निर्माण कार्यों को अविलंब पूर्ण किया जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 से लेकर वित्तीय वर्ष 2024-25 तक स्वीकृत निर्माण एवं विकास कार्यों की जिलेवार समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने

प्रगति की स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने ऐसे विकास कार्य जो अब तक अप्रारंभ हैं अथवा प्रगतिरत हैं, उन्हें चिन्हित करते हुए दो माह की समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला कलेक्टरों से प्रत्यक्ष संवाद कर कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। इसके अंतर्गत क्षेत्रीय नेतृत्व से परामर्श लेकर अल्पकालिक योजनाओं का निर्माण, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार तथा जन अपेक्षाओं के अनुरूप छोटे-छोटे निर्माण कार्यों की त्वरित स्वीकृति का प्रावधान किया गया है। प्राधिकरण के अंतर्गत राज्य के 35 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। इन क्षेत्रों में आधारभूत नागरिक सुविधाओं के विकास, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रोत्साहन, शैक्षणिक सुविधाओं तथा स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही शिक्षा एवं छात्रावासों के विकास पर प्रमुख रूप से जोर दिया गया है और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने को लेकर भी बैठक में चर्चा की गई।

## शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय फेस-2 का कार्य जल्द होगा प्रारंभ : बोरा

**रायपुर।** नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय फेस-2 निर्माण के लिए जल्द ही कार्य प्रक्रिया शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही कन्वेंशन सेंटर का भी निर्माण किया जाएगा। आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान स्थित सभाकक्ष में आर्किटेक्ट, इंजीनियर्स, आर्टिस्ट एवं विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती वर्ष एक नवंबर को राज्योत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का शुभारंभ हुआ था। इसके पहले जनजातीय जीवन शैली एवं परम्पराओं पर आधारित संग्रहालय का उद्घाटन मई 2025 में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किया था। इन संग्रहालयों की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता के बाद अब शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय फेस-2 का कार्य शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बैठक में कहा कि संग्रहालय में कैफेटेरिया, गढ़ कलेवा एवं अन्य दुकानें भी खोली जानी हैं इस संबंध में अंतिम रूपरेखा पर चर्चा की गई। उन्होंने संग्रहालय फेस-2 के अंतर्गत ही आकर्षक बागवानी, परिसर के भीतर स्थित नंद सागर का सौंदर्यीकरण, फॉउंटेन एवं पार्किंग की बेहतर व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में नवनिर्मित छात्रावास के पास ही निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर की रूपरेखा पर भी चर्चा की। इसके डिजाइन एवं लेआउट पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक संशोधन करने के निर्देश दिए। इस कन्वेंशन सेंटर में एक ऑडिटोरियम, आर्ट गैलरी, प्रदर्शनी हॉल, मीटिंग रूम, प्रशासनिक भवन, फूड कोर्ट आदि की व्यवस्था रहेगी। बैठक में संचालक, टीआरटीआई श्रीमती हिना अनिमेष नेताम, उपसचिव श्री बी.के.राजपूत, अपर संचालक श्री संजय गौड़, श्री जितेन्द्र गुप्ता, श्री आर.एस.भोई, उपायुक्त श्री विश्वनाथ रेडडी, कार्यपालन यंत्री श्री त्रिदीप चक्रवर्ती, उपयंत्री श्री गुप्ता एवं श्री यशवंत राव सहित आर्किटेक्ट, इंजीनियर्स, आर्टिस्ट एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

## मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सरना एथनिक रिसॉर्ट जशपुर को प्रदान किया ग्रीन लीफअवॉर्ड

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के पर्यटन क्षेत्र में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया। जशपुर स्थित सरना एथनिक रिसॉर्ट को रिसॉर्ट एवं परिसर में स्वच्छता तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के मानकों पर पूर्णत: उपयुक्त पाए जाने पर वर्ष 2025-26 हेतु प्रतिष्ठित ग्रीन लीफ अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस पुरस्कार को छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री विवेक आचार्य को प्रदान किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की अथक मेहनत और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ग्रीन लीफ अवॉर्ड पर्यटन क्षेत्र में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा

देने वाला एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है। यह भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय द्वारा संचालित स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग का हिस्सा है।

यह अवॉर्ड होटलों, रिसॉर्ट्स, होमस्टे और अन्य पर्यटन इकाइयों को प्रदान किया जाता है जो उच्च स्वच्छता मानकों, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन, ऊर्जा दक्षता तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के दिशा निर्देशों का पालन करते हैं। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने हाल के वर्षों में पर्यटन विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है। बोर्ड ने इको-फ्रेंडली रिसॉर्ट्स, होमस्टे और ट्रेकिंग रूट्स विकसित कर पर्यटन राजस्व में वृद्धि दर्ज की। जशपुर के सरना एथनिक रिसॉर्ट को मिला यह सम्मान बोर्ड की स्वच्छता, जैव विविधता संरक्षण और स्थानीय समुदाय सशक्तिकरण की नीतियों का जीवंत प्रमाण है। इससे राज्य में पर्यटन को नई गति मिलेगी।

## मितानिनों के सम्मेलन में शामिल हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल

**रायपुर।** सरगुजा जिले में उदयपुर ब्लॉक के रामगढ़ में मितानिनों द्वारा आयोजित स्वास्थ्य पंचायत सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए। उन्होंने मितानिनों को सम्मानित करते हुए कहा कि मितानिन बहनें ग्रामीण एवं शहरी अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे सशक्त और भरोसेमंद कड़ी हैं। शासन की स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचा रही मितानिन बहनें ग्रामीण स्वास्थ्य की धुरी हैं। सरकार आपके हर प्रयास के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

सम्मेलन में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। उदयपुर विकासखंड की 59 ग्राम पंचायतों से 389 मितानिन, 20 मितानिन ट्रेनर, दो ब्लॉक को-आर्डिनेटर और पांच विकासखंड समन्वयक शामिल हुए। कार्यक्रम का लक्ष्य पंचायत स्तरीय स्वास्थ्य समस्याओं को उजागर कर

संबंधित विभागों तक पहुंचाना था। मितानिनों ने अधिकारियों को क्षेत्रीय चुनौतियों से अवगत कराया, पंचायत प्रतिनिधियों को स्वास्थ्य योजनाओं से जोड़ा तथा ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता व पोषण समिति को सक्रिय बनाने पर बल दिया। जिला समन्वयक अर्चना कुशवाहा ने बताया कि मितानिनें मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण व स्वच्छता के माध्यम से समुदाय सशक्त कर रही हैं। विकासखंड समन्वयक गायत्री श्रीवास्तव व मानकुंवर प्रजापति ने उनकी भूमिका को स्वास्थ्य तंत्र की मजबूत कड़ी बताया।

## जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा को अंजाम दिया, वही प्रशिक्षण लेकर सीख रहे हुनर

**रायपुर।** अगर कुछ कर गुजरने का जज्बा मन में हो तो जीवन में हर काम आसान हो जाता है। इस कथन को आत्मसमर्पित माओवादियों ने चरितार्थ किया है। जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा की राह अख्तियार किया था, आज उन्हीं हाथों को राज्य की नक्सल पुनर्वास नीति के तहत कुशल और दक्ष बनाने की कवायद जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है। शासन की मंशानुसार ग्राम चौगेल (मुल्ला) कैंप में प्रशिक्षण देकर 'हिंसा से हुनर' की ओर लौटे माओवादियों को नया जीवनदान मिल रहा है।

**आजीविका मूलक गतिविधियों का दिया जा रहा है प्रशिक्षण**

कभी माओवाद गतिविधियों में संलिप्त रहे युवक-युवतियों को अब ड्राइविंग, सिलाई, काष्ठशिल्प कला, सहायक इलेक्ट्रिशियन जैसे विभिन्न ट्रेड में सतत् प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे समाज की मुख्य धारा में लौटने के बाद आजीविका मूलक गतिविधियों में कुशल होकर बेहतर ढंग से सम्मान पूर्वक जीवन निर्वाह कर सके।

**चौगेल कैंप परिसर बना कौशलगढ़-** वर्षों से लाल आतंक के साए में हिंसा का दंश झेल रहा बस्तर संभाग अब विकास की ओर शनै:-शनै: आगे बढ़ रहा है और माओवाद का दायरा धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। छत्तीसगढ़ सहित देश को माओवाद से मुक्ति दिलाने केंद्र सरकार के संकल्प को पूरा करने प्रदेश सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। वहीं हथियार उठाने वालों को भविष्य गढ़ने का सुनहरा अवसर भी सरकार द्वारा दिया जा रहा है। आत्मसमर्पित/पीड़ित नक्सल पुनर्वास नीति-2025 के अंतर्गत उन्हें विभिन्न सृजनात्मक और रोजगारमूलक गतिविधियों के तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भानुप्रतापपुर विकासखंड से लगे ग्राम चौगेल (मुल्ला) का बीएसएफ कैम्प परिसर 'कौशलगढ़' बन गया है, जहां समाज की मुख्यधारा में लौटे 40 आत्मसमर्पित माओवादियों को अलग-अलग पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जा रहा है, साथ ही उन्हें शिक्षित भी किया जा रहा है। आवश्यकतानुसार कक्षा पहली से आठवीं तक के पाठ्यक्रमों का नियमित अध्ययन कराया जा रहा है, जिसमें रूचि लेते हुए सभी आत्मसमर्पित माओवादी अपने भविष्य को पूरी शिद्दत से गढ़ने में संलग्न हैं। 20-20 का बैच बनाकर उन्हें हुनरमंद बनाने के सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

**ड्राइविंग सीखने का शौक अब पूरा हो रहा-मनहेर तारम-** चारपहिया वाहन चालन का प्रशिक्षण ले रहे आत्मसमर्पित माओवादी 40 वर्षीय श्री मनहेर तारम ने बताया कि पिछले दो सप्ताह से उन्हें ड्रायविंग की ट्रेनिंग दी जा रही है, जिसे वे पूरी रूचि के साथ सीख रहे हैं। ट्रेनर द्वारा स्टेयरिंग थामने से लेकर क्लच, ब्रेक व एक्सिलरेटर का प्रयोग करना सिखाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ड्रायविंग सीखने की चाहत अब पूरी हो रही है। इसके अलावा सिलाई और काष्ठशिल्प का प्रशिक्षण कैम्प में दिया जा रहा है।

## संक्षिप्त समाचार

### ऑनलाइन विज्ञापन के झांसे में आकर युवती ने गवाएं 2 लाख

**रायपुर।** अज्ञात व्यक्ति ने ओएलएक्स में कैमरा बेचने का विज्ञापन देकर युवती से दो लाख रुपए ठग लिए। महामाया मंदिर पुरानी बस्ती निवासी भव्या देवांगन 23 ने सोमवार आधी रात रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने सोमवार शाम ओएलएक्स पर कैमरा बेचने का विज्ञापन देख विज्ञापनदाता से फ़ोन नंबर 9142986462 पर संपर्क किया। उस व्यक्ति ने यूपीआई के जरिए अपने बताए खाते में 2 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिया। दो दिन कैमरा डिलीवरी का इंतजार करने ठगे जाने का अहसास होने पर भव्या ने कल रात थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

### इलेक्ट्रॉनिक्स सयुंक्त ने प्रेस इलेवन स्टार को 60 रनों से हराया

**रायपुर।** प्रेस क्लब की खेल मड़ई के अंतर्गत आयोजित स्व. कुलदीप निगम स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे मैच में भी दर्शकों का उत्साह देखने को मिला। सुभाष स्टेडियम में खेले गए सीमित ओवर के एकतरफा मुकाबले में इलेक्ट्रॉनिक्स सयुंक्त ने प्रेस इलेवन स्टार को 60 रनों से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

प्रेस इलेवन स्टार के कप्तान विक्रम साहू ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। इलेक्ट्रॉनिक्स संयुक्त के सलामी बल्लेबाज तिलक साहू और लक्ष्मण लेखवानी ने तेज शुरुआत की। दोनों खिलाड़ियों ने पहले 4 ओवर तक संभलकर खेलते हुए 56 रनों की साझेदारी की, लेकिन लक्ष्मण ने 4.4 ओवर में अभिषेक की गेंद पर टुमन साहू को कैच दे बैठे। लक्ष्मण ने 18 गेंदों में 3 चौके 3 छक्कों की मदद से 34 रन बनाए। इसके बाद आए हेमंत डोंगरे ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक पाए और 8 रन बनाकर पैवेलियन लौट गए। दूसरे छोर पर तिलक जमे रहे। हेमंत के बाद आये दो बल्लेबाज संतोष साहू और इमरान कुरैशी बिना कोई खाता खोले लौट गए। दोनों खिलाड़ियों को प्रेस इलेवन के गेंदबाज प्रमोद मिश्रा ने पैवेलियन भेजा। मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने संभलकर खेलने की कोशिश की। टीम को संभालते हुए एक छोर पर तिलक डटे रहे, जबकि दूसरे छोर पर ऋषि नेताम ने उनका साथ दिया। पर ज्यादा देर तक यह जोड़ी टिक नहीं पाई। प्रेस इलेवन के गेंदबाज अभिषेक ने टुमन साहू के हाथों कैच थमाकर ऋषि नेताम को पैवेलियन भेज दिया। ऋषि ने एक चौका और एक छक्का जड़कर 13 रन बनाए। इसके बाद आए गुड्डू बैरागी भी एक रन बनाकर आउट हो गये। तिलक साहू 50 रनों की शानदार अर्द्धशतकीय पारी खेलकर नाबाद रहे। इस तरह निर्धारित 10 ओवर में इलेक्ट्रॉनिक्स सयुंक्त ने 6 विकेट पर 120 रन बनाए।

इसके जवाब में 121 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रेस इलेवन स्टार की टीम निर्धारित 10 ओवर में 7 विकेट पर सिर्फ 60 रन ही बना सकी। कप्तान विक्रम साहू को अपने ऑलराउंडर स्टार बल्लेबाज प्रमोद मिश्रा को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजना भारी पड़ा। पहले मैच में टूर्नामेंट का पहला शतक जड़ने वाले प्रमोद पांचवें क्रम पर नहीं चल पाए और संतोष साहू की गेंद पर आलोक यादव को कैच थमा बैठे। प्रेस इलेवन का कोई भी बल्लेबाज इलेक्ट्रॉनिक्स सयुंक्त के कसी हुई गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पाए और जल्दी जल्दी आउट हो गए। टीम की ओर से अमृतेश्वर सिंह ने सर्वाधिक 15 व अभिषेक सिंह 13 रन बनाए। बाकी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाए। इलेक्ट्रॉनिक्स सयुंक्त की ओर से ऋषि नेताम सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 3 बल्लेबाज को पैवेलियन भेजा। हेमंत ने 2 विकेट लिए, जबकि संतोष और आलोक को एक-एक विकेट लेने में सफलता मिली।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव व दैनिक विश्व परिवार के संपादक प्रदीप जैन ने शानदार प्रदर्शन के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स सयुंक्त के तिलक साहू को मैन ऑफद मैच पुरस्कार प्रदान किया। इस दौरान रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, महासचिव गौरव शर्मा, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू, भूपेश जांगड़े, खेल मड़ई के संयोजक विजय मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पत्रकार और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

### परीक्षा पे चर्चा 2026' : परीक्षा को उत्सव के रूप में मनाने की राष्ट्रीय पहल

रायपुर। विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच तथा मानसिक एवं भावनात्मक कल्याण को प्रोत्साहित करते हुए परीक्षा के तनाव को कम करने और परीक्षा के अनुभव को एक उत्सव के रूप में साझा करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा विगत 9 वर्षों से 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पालकों के साथ संवाद का एक सशक्त और प्रेरणादायी माध्यम बन चुका है।

'परीक्षा पे चर्चा 2026' का मुख्य कार्यक्रम 6 फरवरी 2026, गुरूवार को प्रात: 10 बजे से होगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पालकों से सीधे संवाद कर परीक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। वर्ष 2026 में 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम ने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पालकों के कुल 4.50 करोड़ पंजीयन हुए हैं। यह अभूतपूर्व सहभागिता कार्यक्रम की लोकप्रियता, विश्वसनीयता तथा इसके व्यापक सकारात्मक प्रभाव का परिणाम है।

इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देश-विदेश में विभिन्न प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया जाएगा। इसमें यूट्यूब, फेसबुक लाइव जैसे सोशल मीडिया माध्यमों के साथ-साथ दूरदर्शन, पीएम ई-विद्या टीवी, रेडियो चैनल तथा प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग सभी जिलों को निर्देश जारी किए हैं कि वे अपने-अपने जिलों में सभी शासकीय एवं निजी विद्यालयों में कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। जिले के सार्वजनिक एवं निजी स्थलों पर सामूहिक रूप से कार्यक्रम देखने की व्यवस्था करने तथा व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक वीडियो एवं पोस्टर के नमूने जिलों को उपलब्ध कराए गए हैं।

# संपादकीय

## ट्रंप का भविष्य ट्रंप

ट्रंप की नीतियों ने विभिन्न देशों को नए साथी और नए अवसर ढूंढने के लिए मजबूर किया है। जब अमेरिका ने अपने साथ सम्मानजनक ढंग से कारोबार के रास्ते बंद कर दिए हैं, तो लाजिमी है, देश नए विकल्प की तलाश करेंगे। भारत और यूरोपियन यूनियन (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति बनने की खबर आते ही अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने ईयू को आगाह कि वह अपने खिलाफ युद्ध के लिए धन मुहैया कराने जा रहा है। कहा कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीद कर उसे व्यापारिक सहारा देता है। यूरोप रूस के हमले की आशंका से पीड़ित है, लेकिन अब वह भारत को लाभ पहुंचाने जा रहा है। इसके पहले कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने चीन से व्यापार समझौता किया, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप भड़क गए। अपने चिर-परिचित अंदाज में कार्नी के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने कनाडा पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। मगर अब कार्नी ने मार्च में भारत आने का इरादा जता दिया है। इसी बीच ट्रंप दक्षिण कोरिया पर भी खफा हो गए हैं और उस पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने इस महीने के पहले हफ्ते में चीन की यात्रा की थी। उनके बाद स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पार्लेलिन भी चीन गए और अब अगले मंगलवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री कियर स्टार्मर बीजिंग पहुंच रहे हैं। इस यात्रा से ठीक पहले ब्रिटिश सरकार ने लंदन में चीन के प्रस्तावित भव्य दूतावास के निर्माण को हरी झंडी दे दी, जिसे कई साल से रोक रखा गया था। उपरोक्त तमाम घटनाओं में एक समान तत्व की तलाश की जा सकती है। खुद ट्रंप प्रशासन की नीतियों ने विभिन्न देशों को नए साथी ढूंढने और नए अवसर तलाशने के लिए मजबूर किया है। जब अमेरिका ने अपने साथ सम्मानजनक ढंग से कारोबार के रास्ते बंद कर दिए हैं, तो लाजिमी है, विभिन्न देश नए विकल्प की तलाश करेंगे। लेकिन ऐसी हर घटना से ट्रंप की महत्त्वाकांक्षा पर आघात पहुंचता है। उससे व्यग्र होकर ट्रंप उग्र प्रतिक्रिया जताते हैं। लेकिन उससे वे विपरीत संदेश दुनिया को दे रहे हैं। हर विवेकशील देश इससे सोचने को मजबूर हो रहा है कि जब हर डील ट्रंप का भविष्य ट्रंप के मूड से जुड़ा है, तो आखिर उसके लिए कितनी हांव-पांव मारी जाए?

## संसद में अनछपी किताब

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होनी थी। परंपरा रही है कि राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में सरकार की जिन नीतियों, कार्यक्रमों और प्राथमिकताओं का उल्लेख किया है, सांसद उन पर चर्चा करते हैं। आलोचना भी करते हैं। विपक्ष का एजेंडा कुछ अलग भी हो सकता है। याद करें, जब केंद्र में कांग्रेस की पीवी नरसिम्हा राव सरकार थी और अटल बिहारी वाजपेयी नेता प्रतिपक्ष थे। तब अटल जी ने राष्ट्रपति अभिभाषण के संदर्भ में ही, बहस के दौरान, चीन का मुद्दा आक्रामक अंदाज में उठाया था और सरकार की भर्त्सना तक की थी। जब प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस और यूपीए सरकार थी, तब लालकृष्ण आडवाणी नेता प्रतिपक्ष थे। उन्होंने भी चीन के साथ सीमा-विवाद, सुरक्षा-विवाद और सैन्य तनावों का जिक्र करते हुए मनमोहन सरकार की तीखी आलोचना की थी। भारत-चीन संबंधों, टकरावों और विवादों पर संसद में बोलना 'वर्जित' नहीं है। यह सांसदों की संवैधानिक आजादी है कि वे कौनसा मुद्दा उठाते हैं। हालांकि संसद के दोनों सदन-लोकसभा और राज्यसभा-निश्चित नियमों में बंधे हैं। लोकसभा के नियम 349 (1) के तहत सांसद किसी भी किताब, पत्रिका, अखबार को उद्धृत नहीं कर सकते, जब तक वे उद्धरणों को सत्यापित नहीं करते। नियम 353 के तहत, यदि सांसद को इसी आधार पर अपनी बात कहनी है, तो वह स्पीकर और संबद्ध मंत्री को पहले नोटिस देगा। स्पीकर ओम बिरला ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के उद्धरणों के संदर्भ में इन नियमों का बार-बार हवाला दिया। स्पीकर ने नियमानुसार अपनी व्यवस्था भी दे दी, लेकिन नेता प्रतिपक्ष जिद पर अड़े रहे। सवाल करते रहे कि आखिर सरकार डरी हुई क्यों है? सरकार उनके वक्तव्य से असहज क्यों है? दरअसल नेता प्रतिपक्ष पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे द्वारा लिखित, लेकिन अभी तक अप्रकाशित किताब के कुछ अंश संसद में पढ़कर प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह को बेनकाब करना चाहते थे। राहुल गांधी जो वाक्य बोल पाए, उनमें डोकलाम टकराव का जिक्र सुनाई दिया, जबकि चीनी सेना के साथ तनाव, टकराव और युद्ध जैसे हालात पूर्वी लद्दाख में पैदा हुए थे। जून, 2020 को जो 'गलवान संघर्ष' हुआ और हमारे 20 जांबाज सैनिक 'शहीद' हुए, वह भी लद्दाख में हुआ था। जनरल नरवणे तब सेना प्रमुख थे और वह अप्रैल, 2022 तक इस पद पर रहे। गौरतलब है कि जनरल नरवणे की कथित आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है, लेकिन उसका हार्डकवर अप्रैल, 2024 से ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स पर उपलब्ध है। किताब के प्रकाशन की अनुमति देना सरकार का विशेषाधिकार है, क्योंकि पूर्व सेना प्रमुख की किताब राष्ट्रीय सुरक्षा और हमारी युद्ध रणनीति से भी जुड़ी है। हमारा दुश्मन देश उन जानकारियों का नाजायज फायदा उठा सकता है। लिहाजा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की संसद में आपत्ति और हस्तक्षेप तार्किक था। उन्होंने स्पीकर से आग्रह किया कि नेता प्रतिपक्ष को इस विषय पर न बोलने दिया जाए, क्योंकि वह देश को गुमराह कर रहे हैं। राहुल गांधी के हाथ में दिल्ली प्रेस की पत्रिका 'कारवां' की फेटोप्रति थी, जिसमें कुछ अंश छपे हैं। इससे पहले करीब दो साल पहले कुछ अंश 'द प्रिंट' पत्रिका में छप चुके हैं। समाचार एजेंसी 'पीटीआई' ने कुछ अंश दिसंबर, 2023 में प्रकाशित किए थे। जाहिर है कि जनरल नरवणे की किताब के कई अंश तो सार्वजनिक हो चुके हैं। सदन में रक्षा मंत्री, गृहमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री की जबरदस्त आपत्तियां इसलिए थीं, ताकि राहुल गांधी के जरिए कुछ विवादास्पद जानकारियां लोकसभा के रिकॉर्ड में दर्ज न हो सकें और इस तरह विकृत इतिहास न बन सके। दरअसल चीन का मुद्दा जनरल नरवणे के खुलासों तक ही सीमित नहीं है। मौजूदा संदर्भ ने सेना के पूर्व जनरलों और कर्नल सरीखे विशेषज्ञों के विरोधाभास भी बेपर्दा कर दिए। कुछ पूर्व जनरल उन भारत-चीन समझौतों पर ही सवाल उठा रहे हैं, जो 1993, 1997, 2005 से लेकर 2013 तक किए गए थे। गलवान इसीलिए संभव हो सका, क्योंकि हमारे सैनिक हथियार नहीं उठा सकते थे, गोली नहीं चला सकते थे, क्योंकि दोनों देशों के बीच समझौते हुए थे।

# राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता

**ललित गर्ग**

नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया।

यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मर्यादाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो।

संसद के भीतर अप्रकाशित 'संस्मरण' के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मर्यादा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है।

राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनिया एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी। इसके बाद भी वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सतही आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। जबकि सच्चाई यह है और सब जानते हैं कि गलवन में चीनी सेना को करारा जवाब मिला था और इसी कारण वह वार्ता की मेज पर आया और लद्दाख में कई इलाकों में यथास्थिति कायम हो पाई।

कांग्रेस की भूमिका पर भी गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है। एक समय देश को नेतृत्व देने वाली पार्टी आज बार-बार ऐसे प्रसंगों में उलझती दिखती है, जहां बयानबाजी मुद्दों पर भारी पड़ जाती है। राहुल गांधी एक प्रभावशाली वक्ता हैं, जनभावनाओं को छूने की क्षमता रखते हैं और युवाओं में संवाद स्थापित कर सकते हैं। किंतु यही कारण है कि उनसे अधिक जिम्मेदारी की अपेक्षा भी की जाती है। बार-बार ऐसे मुद्दे उठाना जिन्हें सत्ता पक्ष राष्ट्रीय एकता के लिए घातक बताता हो, कांग्रेस की छवि को गैर-जिम्मेदार विपक्ष के रूप में मजबूत करता है। यह धारणा चाहे पूरी तरह सही न हो, लेकिन राजनीति में धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है जितना तथ्य। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो परिपक्व लोकतंत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस के लिए अलग-अलग संसदीय समितियां, बंद सत्र और संस्थागत प्रक्रियाएं होती हैं। सार्वजनिक मंचों पर बयान देते समय नेता प्राय: संकेतों और नीतिगत प्रश्नों तक सीमित रहते हैं, विस्तृत सैन्य विवरणों से परहेज करते हैं। भारत में भी ऐसी परंपरा विकसित होनी चाहिए, जहां विपक्ष सरकार से जवाबदेही मांगे, परंतु सेना और सुरक्षा संस्थानों की साख को राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा न बनाया जाए। यही संतुलन लोकतंत्र को मजबूत करता है। लेकिन राहुल गांधी पूर्व में भी सैन्य बयानों से न केवल सुरक्षा के लिये खतरा बनते रहे हैं बल्कि हमारे जवानों के मनोबल को भी आहत करते रहे हैं। यह भी सच है कि सरकार को पारदर्शिता से घबराना नहीं चाहिए। यदि विपक्ष किसी पुस्तक, रिपोर्ट या बयान का हवाला देता है, तो उसका संस्थागत और तथ्यपरक उत्तर दिया जाना चाहिए। केवल नियमों के उल्लंघन का हवाला देकर बहस को समाप्त करना भी स्वस्थ परंपरा नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर पूर्ण मौन भी लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व के विपरीत है। अत: दोनों पक्षों को अपनी-अपनी सीमाएं पहचाननी होंगी।

अंतत: प्रश्न राहुल गांधी की परिपक्वता का भी है। परिपक्वता का अर्थ चुप रहना नहीं, बल्कि यह समझना है कि कौन-सा प्रश्न कब, कहां और कैसे उठाया जाए। एक राष्ट्रीय नेता से अपेक्षा होती है कि वह भावनात्मक आवेग के बजाय रणनीतिक विवेक से काम ले। इसी तरह विपक्ष की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वह संसद को ठप करने के बजाय उसे प्रभावी बहस का मंच बनाए। संसद का स्थगन किसी की जीत नहीं, बल्कि लोकतंत्र की हार होता है। इस पूरे प्रसंग ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि भारत जैसे विविध और संवेदनशील लोकतंत्र में शब्दों की शक्ति अत्यंत गहरी है। राष्ट्रीय एकता केवल सीमाओं की रक्षा से नहीं, बल्कि जिम्मेदार राजनीति से भी सुरक्षित रहती है। कांग्रेस को यह सोचना होगा कि क्या तात्कालिक राजनीतिक लाभ दीर्घकालिक विश्वसनीयता से अधिक महत्वपूर्ण है। राहुल गांधी को यह आत्मविश्लेषण करना होगा कि नेतृत्व केवल सवाल उठाने से नहीं, बल्कि मर्यादित और समयबद्ध विवेक से भी बनता है। और सरकार को यह याद रखना होगा कि सशक्त राष्ट्र वही है जो सवालों से नहीं, बल्कि जवाबों से मजबूत होता है। यदि यह संतुलन स्थापित हो सका, तभी संसद का प्रत्येक सत्र वास्तव में राष्ट्र के हित में सार्थक सिद्ध होगा।

# राष्ट्र निर्माण के प्रति कर्तव्य: वह बजट जो भारत के भविष्य को आकार देगा

**तोखन साहू**

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया केंद्रीय बजट 2026-27, सिर्फ़ एक सालाना वित्तीय बयान से कहीं ज़्यादा है; यह एक विकसित भारत बनाने का ब्लूप्रिंट है। माघ पूर्णिमा के पवित्र अवसर और गुरु रविदास जी की जयंती पर पेश किया गया यह बजट एक गहरे नैतिक और राष्ट्रीय उद्देश्य को दर्शाता है। ऐतिहासिक 53.5 लाख करोड़ के कुल खर्च और लगभग 27 लाख करोड़ के पूंजीगत खर्च के साथ, यह बजट राजकोषीय समझदारी बनाए रखते हुए भारत की विकास गाथा में विश्वास का संकेत देता है, जिसमें घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 4.3त्न पर सीमित है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह युवा भारतीयों की आकांक्षाओं को दर्शाता है, जिनके विचार प्रधानमंत्री के विकसित भारत युवा नेता संवाद के दौरान साझा किए गए थे और उन्हें राष्ट्रीय नीति निर्माण में जगह मिली है। यह विकास सिर्फ़ दफ़्तरों में नहीं, बल्कि नागरिकों के साथ बातचीत के ज़रिए आकार दिया गया है।

3 कर्तव्यों से प्रेरित और हमारे युवाओं की आकांक्षाओं से निर्देशित, यह बजट विकास और समावेश, महत्वाकांक्षा और करुणा के बीच संतुलन बनाता है। पहला कर्तव्य आर्थिक विकास को तेज़ करने और बनाए रखने पर केंद्रित है, जो एक विकसित अर्थव्यवस्था की नींव रखेगा। 10,000 करोड़ का बायोफार्मा मिशन, सेमीकंडक्टर मिशन 2.0, और महत्वपूर्ण खनिजों, केमिकल मैन्युफैक्चरिंग, कंटेनर उत्पादन और मेगा टेक्सटाइल पार्क को मजबूत करने के उपाय घरेलू उद्योग को बढ़ावा देंगे और आयात पर निर्भरता कम करेंगे। ये दूरदर्शी क्षेत्र भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में मजबूती से स्थापित करते हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर विकास का इंजन को एक बड़ा बढ़ावा मिला है, जिसमें फ्रेट कॉरिडोर, जलमार्ग और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के विस्तार के लिए सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में 12.2 लाख करोड़ का प्रावधान है। शहरी आर्थिक क्षेत्र, हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर और म्युनिसिपल बॉन्ड प्रोत्साहन शहरों को उत्पादकता के केंद्र बनाएंगे, लॉजिस्टिक्स लागत कम करेंगे, निवेश आकर्षित करेंगे और बड़े पैमाने पर रोज़गार पैदा करेंगे।

दूसरा कर्तव्य लोगों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देता है। हेल्थकेयर संस्थानों में निवेश, संबद्ध स्वास्थ्य कार्यबल का विस्तार, और बुजुर्गों की देखभाल सेवाएं सामाजिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करती हैं। यूनिवर्सिटी टाउनशिप और हर जिले में महिलाओं के हॉस्टल जैसी शिक्षा पहल पहुंच और सुरक्षा में सुधार करती हैं, जबकि पर्यटन, विरासत विकास और खेलो इंडिया मिशन युवाओं के लिए नए अवसर खोलते हैं।

तीसरा कर्तव्य, सबका साथ, सबका विकास के मार्गदर्शन में, समावेशी विकास सुनिश्चित करता है। किसानों को मत्स्य पालन, पशुधन और उच्च मूल्य वाली कृषि के साथ-साथ जल निकायों के विकास के माध्यम से सहायता मिलती है। मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में निवेश और पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के लिए केंद्रित पहल संतुलित क्षेत्रीय प्रगति को बढ़ावा देती हैं। यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि भारत की विकास यात्रा में कोई भी समुदाय या क्षेत्र पीछे न छूटे। छत्तीसगढ़ के लिए यह बजट अवसरों का एक नया अध्याय खोलता है। भारत को ग्लोबल बायोफार्मा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए प्रस्तावित ?10,000 करोड़ के निवेश से राज्य को फायदा होगा, जिससे राज्य में निवेश, रिसर्च और हाई-क्वालिटी नौकरियों के अवसर आएंगे। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 में शामिल होने से छत्तीसगढ़ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरने में मदद मिलेगी। प्रोसेसिंग यूनिट्स स्थापित करके, राज्य ओडिशा के साथ मिलकर रेयर मेटल कॉरिडोर से रणनीतिक और औद्योगिक रूप से भी लाभ उठा सकता है।

टेक्सटाइल सेक्टर में पहल - जिसमें नेशनल फाइबर मिशन, टेक्सटाइल विस्तार और रोज़गार योजना, और मेगा टेक्सटाइल पार्क शामिल हैं - छत्तीसगढ़ के पारंपरिक शिल्प, हथकरघा, खादी और आधुनिक टेक्सटाइल उद्योगों को नई गति देंगे। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत करेगी और स्थानीय कारीगरों की आय बढ़ाएगी। एमएसएमई के लिए बजटीय सहायता यह सुनिश्चित करेगी कि राज्य में छोटे और मध्यम उद्यमों को अधिकतम लाभ मिले, जिससे स्वरोज़गार और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

कार्बन कैप्चर, यूटिलाइज़ेशन और स्टोरेज के लिए 20,000 करोड़ का प्रावधान छत्तीसगढ़ को अपने समृद्ध वन संसाधनों को कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग के ज़रिए आर्थिक लाभ में बदलने का अवसर देता है। शिक्षा के क्षेत्र में, राज्य में कम से कम एक यूनिवर्सिटी टाउनशिप की स्थापना और हर ज़िले में एक महिला छात्रावास उच्च शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समावेश को मज़बूत करेगा। हर ज़िले में ट्रॉमा सेंटर की स्थापना, बुज़ुर्गों की देखभाल सेवाओं का विस्तार, और राज्य में एक अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित करने के प्रयासों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मज़बूत किया जाएगा। टियर-2 और टियर-3 शहरों में कॉर्पोरेट फैसिलिटेटर की शुरुआत से स्थानीय युवाओं के लिए रोज़गार के नए अवसर पैदा होंगे और स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलेगा। मछली पालन, अमृत सरोवरों के इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट, पशुपालन, डेयरी और पोल्ट्री फार्मिंग, और हाई-वैल्यू एग्रीकल्चर के लिए सपोर्ट से किसानों की आय बढ़ेगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मज़बूत होगी। खेलो इंडिया मिशन के ज़रिए, छत्तीसगढ़ के एथलीटों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर मिलेंगे।

शहरी विकास के लिए, अर्बन इकोनॉमिक रीजन्स के लिए 5,000 करोड़ का आवंटन और म्युनिसिपल बॉन्ड जारी करने के लिए प्रोत्साहन छत्तीसगढ़ के शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर और आर्थिक क्षमता को मज़बूत करेगा। नए इनकम टैक्स एक्ट, आसान टैक्स नियमों, टीडीएस/टीसीएस के युक्तिकरण, और कस्टम ड्यूटी में राहत जैसे सुधार टैक्स सिस्टम को नागरिकों, उद्योगों और निवेशकों के लिए ज्यादा पारदर्शी, सरल और निष्पक्ष बनाएंगे।

इस बदलाव की यात्रा के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व है। राष्ट्र निर्माण, युवा सशक्तिकरण और समावेशी विकास पर उनका अटूट ध्यान भारत के विकास पथ को लगातार आकार दे रहा है। उनके मार्गदर्शन में, सुधार धीरे-धीरे नहीं बल्कि संरचनात्मक हैं, अल्पकालिक नहीं बल्कि पीढ़ियों तक चलने वाले हैं। केंद्रीय बजट 2026-27 इसी दर्शन को दर्शाता है: एक आत्मविश्वासी भारत जो अपने लोगों, अपने राज्यों और अपने भविष्य में निवेश कर रहा है, और 2047 तक विकसित भारत के साझा राष्ट्रीय लक्ष्य की ओर लगातार बढ़ रहा है।

**लेखक आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री हैं।**

# सस्ती तकनीक और हर नागरिक तक पहुंच: एआई में आत्मनिर्भर भारत की तैयारी

**सुशील पाल**

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज की सबसे ताकतवर और तेजी से बदलने वाली तकनीक में से एक बनती जा रही है। इसमें यह क्षमता है कि यह देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे, उत्पादन बढ़ाए और विकास की रफ्तार तेज करे। सरकारी सेवाओं को ज्यादा प्रभावी और पारदर्शी बनाने में भी एआई अहम भूमिका निभा सकती है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में बीमारी की शुरुआती पहचान, खेती में सही समय पर सही फैसले लेने, आपदा से पहले चेतावनी देने, मौसम और जलवायु का बेहतर अनुमान लगाने और सरकारी योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाने में एआई पहले से ही मदद कर रही है। आने वाले समय में शिक्षा, परिवहन और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ने की संभावना है।

लेकिन जैसे पहले की तकनीकी क्रांतियों में हुआ, वैसे ही एआई के साथ भी असमानता की तस्वीर सामने आती है। जिनके पास कंप्यूटर की ताकत यानी कंप्यूट, अच्छा डेटा और मजबूत डिजिटल ढांचा है, वही बड़े स्तर पर एआई का लाभ उठा पा रहे हैं। जिनके पास ये सुविधाएं नहीं हैं, वे पीछे रह जाते हैं। यह फर्क आज केवल कंपनियों के बीच ही नहीं, बल्कि देशों और इलाकों के बीच भी साफ दिखाई देता है।

भारत ने इस चुनौती को एक अवसर के रूप में लिया है। इंडिया एआई मिशन के जरिए भारत यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि एआई की ताकत कुछ गिने-चुने लोगों तक सीमित न रहे। कंप्यूट, डेटा और एआई मॉडल को डिजिटल सार्वजनिक सुविधा के रूप में देखा जा रहा है, ताकि स्टार्टअप, शोधकर्ता, छात्र और छोटे संस्थान भी एआई पर काम कर सकें। भारत की सोच साफ है- ऐसा डिजिटल ढांचा बनाया जाए जो खुला हो, आसानी से बढ़ सके और समाज के हर वर्ग के काम आए। इससे एआई का लाभ आम लोगों तक पहुंचे, देश में ही नवाचार को बढ़ावा मिले और तकनीक के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बन सके।

इस सोच के पीछे एक ठोस योजना है। दावोस में हुए विश्व आर्थिक मंच में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारत एआई को पांच स्तरों पर विकसित कर रहा है- बिजली और ऊर्जा, कंप्यूट और इंफ्रास्ट्रक्चर, चिप और हार्डवेयर, एआई मॉडल और एप्लिकेशन। इन सभी पर एक साथ काम होने से ही एआई का सही और व्यापक उपयोग संभव हो पाएगा।

भारत का तरीका इसलिए अलग है क्योंकि यहां एआई तक पहुंच आसान बनाई गई है। भारत ने एक साझा कंप्यूट प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जहां 38,000 जीपीयू एक ही पोर्टल पर मिलते हैं। इनका खर्च करीब 65 रुपये प्रति घंटा है, जबकि दूसरे देशों में इसके लिए 2.5 से 3 डॉलर प्रति घंटा तक देने पड़ते हैं। इंडिया एआई मिशन के तहत सरकार एआई मॉडल बनाने के लिए पूरी लागत (100 प्रतिशत) तक मदद दे रही है और एआई के इस्तेमाल पर भी 40 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। इससे पैसे की कमी एआई पर काम करने में रुकावट नहीं बनती। इसी वजह से सरवम एआई, सोकेट एआई और ज्ञानि एआई जैसे भारतीय स्टार्टअप अब बिना बड़ी पूंजी लगाए अपने खुद के एआई और भाषा मॉडल बना पा रहे हैं, जो पहले सिर्फ बड़ी विदेशी कंपनियां ही कर पाती थीं।

भारत का लक्ष्य सिर्फ एआई का इस्तेमाल करना नहीं, बल्कि अपना एआई बनाना है। भारत अपना खुद का एआई मॉडल तैयार कर रहा है, जो भारतीय भाषाओं, भारतीय संस्कृति और भारतीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा। इसे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट (16-20 फरवरी 2026) में पेश किए जाने की उम्मीद है। यह मॉडल भारत के ही डेटा पर प्रशिक्षित होगा और देश के भीतर ही काम करेगा।

# सुकून से सोना है तो करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

## आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

## पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

## ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

## चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

## पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

# अपनी डाइट में एंटी-एजिंग फूड्स को शामिल करें

यह सच है कि हमारी त्वचा हमारे स्वास्थ्य और उम्र दोनों को बयां करती है। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, घुटने कमजोर होने लगते हैं और त्वचा पर झुर्रिया आने लगती है। ऐसे और भी तमाम लक्षण नजर आने लगते हैं। इसलिए बढ़ती उम्र के साथ अपने खानपान पर भी ध्यान देना चाहिए। अपनी डाइट में ऐसे फूड्स को शामिल करें, जिनमें एंटी-एजिंग प्रॉपर्टीज हो। इससे आपकी त्वचा के लिए जरूरी पोषक की कमी दूर होगी और आपकी एजिंग भी स्लो हो जाएगी।

## ग्रीन टी

एंटी एजिंग के रिवर्सिंग के लिए ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट की हाई मात्रा पाई जाती है। इसमें विशेष रूप से पॉलीफेनोल्स नामक एंटीऑक्सीडेंट होता है। ग्रीन टी में रिवर्स एजिंग के गुण होते है, इसलिए दिन में दो कप ग्रीन टी का सेवन जरूर करें।

## डार्क चॉकलेट

त्वचा के लिए जरूरी पॉलीफेनोल्स डार्क चॉकलेट में भी पाया जाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट भी एज रिवर्सिंग में मदद करता है। पॉलीफेनोल्स स्किन को सुरक्षित रखने और स्किन डैमेज को रिपेयर करने में मदद कर सकते हैं यह एंटीऑक्सिडेंट केवल त्वचा के लिए ही नहीं, बल्कि हार्ट हेल्थ के लिए भी अच्छा है। शुगर फ्री डार्क चॉकलेट वेट लॉस में भी मददगार है।

## चुकंदर

चुकंदर में एंटी एजिंग गुण पाए जाते हैं क्योंकि ये सब्जी कई सारे विटामिन और फाइबर से भरपूर है। चुकंदर में विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन के जैसे विटामिन होते हैं, जो त्वचा के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

## अंडे

कोलेजन त्वचा के लिए सबसे जरूरी प्रोटीन है, जो कि अंडे में पाया जाता है। यह प्रोटीन बाल और नाखून के लिए भी जरूरी है। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारे शरीर में कोलेजन का उत्पादन कम हो जाता है। जिसके कारण स्किन में एजिंग साइन दिखने लगते हैं। ऐसे में अंडे का सेवन आपके स्किन हेल्थ के लिए अच्छा होता है।

## टमाटर

टमाटर में लाइकोपीन होता है, जो एक प्रकार का एंटीऑक्सीडेंट है और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है। टमाटर का सेवन कइ प्रकार से स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। इसमें विटामिन सी और विटामिन की भी मात्रा होती है, जो त्वचा के लिए फायदेमंद हो सकता है और इसका सेवन कोलेजन के उत्पादन में भी मदद करता है।

## अनार

अनार एक सुपरफूड है और इसमें विटामिन सी होता है, जो त्वचा के लिए महत्वपूर्ण है। इसमें अनेक प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे कि पॉलीफेनोल्स और एंथोसायनिन्स होते हैं, जो एजिंग प्रॉसेस को बढ़ाता है।

## फ्लैक्स सीड्स

त्वचा के लिए फ्लैक्स सीड्स का सेवन भी काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड्स, विशेषकर आला-लिनोलेनिक एसिड, होता है जो त्वचा के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है।

# दूध को नहीं बनाया जा सकता भोजन का विकल्प

हमारे दादा-दादी हमेशा से बच्चों को दूध पीने की सलाह देते रहे हैं क्योंकि यह बहुत पोष्टिक और ताकतवर होता है। लेकिन समय के साथ दूध को लेकर तो धारणाएं हैं वो बदलती रही है। कुछ लोग ठंडा दूध पीना चाहते हैं तो कुछ उबालकर पीना पसंद करते हैं। कुछ ऐसे भी हैं जो मानते हैं कि दूध को बार-बार उबालने से उसके पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं।

ज्यादातर लोग मानते हैं कि दूध ही कैल्शियम का एकमात्र विकल्प है। यह पूरी तरह से सच नहीं हैं। दो चम्मच चिया सीड्स में दूध से 6 गुना अधिक कैल्शियम होता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन के मुताबिक, 100 एमएल दूध में 125 मिग्रा. कैल्शियम होता है, जबकि 100 ग्राम रागी में 344 मिग्रा कैल्शियम होता है। एक्सपर्ट कहते हैं, शरीर में कैल्शियम को एब्जॉर्ब होने के लिए विटामिन-डी भी पर्याप्त मात्रा में होना जरूरी है। दूध को खराब होने से बचाने के लिए उबाला जाता है। हालांकि इसे उबालने से इसके पोषक तत्वों पर असर नहीं पड़ता। आहार विशेषज्ञ मानते हैं कि दूध को कई बार उबालने से भी इसके पोषक तत्व नहीं खत्म होते। आहार विशेषज्ञों के मुताबिक, दूध सुबह ले सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें इसे खाली पेट न लें। ऐसा करने से पाचन बिगड़ सकता है। गैस बन सकती है। आयुर्वेद कहता है, अगर आपको वात और कफ दोष है तो सुबह खाली पेट दूध न लें। जिन्हें अक्सर खांसी की शिकायत रहती है, उन्हें भी सुबह खाली पेट दूध लेने से बचना चाहिए। दूध को पोषक तत्वों के आधार पर कम्प्लीट फूड कहते हैं, लेकिन इसे भोजन का विकल्प नहीं बनाया जा सकता है। शरीर को विटामिन-सी, फाइबर समेत कई पोषक तत्वों की जरूरत होती है जो दूध में नहीं होते। इसलिए इसे लंच या डिनर से रिप्लेस नही किया जाना चाहिए।

# अदरक का उपयोग औषधि के रूप में ही करें



अदरक ब्लड थिनर है अदरक ब्लड को साफ करता है ब्लड में जो ब्लॉकेज हो जाती है उनको साफ करता है। अदरक खाते रहने से कभी हार्ट अटैक की समस्या नहीं होती, अदरक के साथ अगर हम नाखून के बराबर अदरक नाखून के बराबर हल्दी नाखून के बराबर लहसुन अगर तीनों मिलाकर खा ले तो अनायास हार्ट अटैक नहीं होता, सोते समय खाकर सो जाए। अदरक अपने खाने में हमेशा शामिल करते रहना चाहिए अदरक की चाय आप पी सकते हैं, 5 ग्राम अदरक, 5 ग्राम गुड़ ,पांच तुलसी का पत्ता ,पांच पुदीना का पत्ता ,एक इलायची, दो ग्राम दालचीनी मिलाकर चाय बना ले और इसमें नींबू डालकर पीए या नारियल का दूध बादाम का दूध या काजू का दूध डालकर पीए। अदरक हमारे सेल्स को मजबूत करता है हमारे अंदर एक डेंटेटिक सेल होता है जो हानि पहुंचाने वाले कीटाणुओं का भक्षण करता है मार देता है उन्हें टुकड़े-टुकड़े कर देता है ऐसे डेंटेटिक सेल को ताकत देने का काम अदरक करता है। अदरक एक औषधि है जिसे हमें औषधि के रूप में ही लेना चाहिए, अदरक का सेवन पूरे दिन में 5 ग्राम से ज्यादा नहीं लेना चाहिए 5 ग्राम हमारे बॉडी के लिए काफी है।

**ताज़ी अदरक** -ताजा जड़ी वाला अदरक का उपयोग सब्जी के रूप में किया जाना चाहिए।

**सूखी अदरक** - इसका उपयोग मसाला के रूप में किया जाता है। सूखे अदरक से तेल निकाला जाता है, जिसका उपयोग सॉफ्ट ड्रिंक में, कॉनफेक्शनरी में और परिरक्षक एजेंट के रूप में भोजन को स्वादिष्ट बनाने के लिए किया जाता है।

**अदरक की पत्तियाँ** - अदरक की पत्तियों का इस्तेमाल विभिन्न भोज्य पदार्थों में स्वाद बढ़ाने वाले एजेंट के रूप में किया जाता है।

**काढ़ा**- आयुर्वेद के अनुसार, अदरक का उपयोग दूध, शहद या जल के साथ काढ़ा बनाने में किया जा सकता है। आपके स्वास्थ्य की स्थिति के अनुसार आपके आयुर्वेदिक चिकित्सक आपको इसे लेने का रूप और डोज बताएँगे। इसके अतिरिक्त, हम आपको सलाह देते हैं कि किसी योग्य डॉक्टर से परामर्श किये बिना आप पहले से चल रही आपकी दवा को नहीं रोके।

# जिला जेल में बंदियों को कराया जा रहा गीता का अध्ययन

## प्रतिदिन प्रातः 7.30 बजे से हो रहा श्लोक पाठ

**कवर्धा।** जिला जेल कबीरधाम में बंदियों के नैतिक, आध्यात्मिक एवं व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से गीता परिवार के द्वारा नियमित रूप से गीता के सभी अध्यायों का अध्ययन कराया जा रहा है। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में 03 फरवरी 2026 से प्रारंभ किया गया है। कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के 11 बंदियों को गीता के समस्त अध्यायों का क्रमबद्ध अध्ययन कराया जा रहा है। प्रतिदिन प्रातः 7.30 बजे से 8.10 बजे तक ऑनलाइन माध्यम से गीता पाठ का आयोजन किया जा रहा है। गीता परिवार से जुडे श्रीमती वर्षा वर्मा (धर्मपत्नी कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा), श्री नितिन गोरे एवं श्रीमती साई काव्या के द्वारा बंदियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से गीता पाठ की कक्षाएं ली जा रही है और सरल एवं सहज भाषा में गीता के श्लोकों का अर्थ, भावार्थ एवं जीवन में उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी जा रही है। सहायक जेल अधीक्षक श्री राजेंद्र बंजारे ने बताया कि यह गीता अध्ययन कार्यक्रम कुल 3 माह की अवधि का होगा, जिसमें बंदियों को गीता के सभी 18 अध्यायों का अध्ययन कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य बंदियों के भीतर सकारात्मक सोच का विकास करना, आत्मचिंतन की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें जीवन में सही दिशा एवं मूल्यबोध प्रदान करना है। श्री बंजारे ने बताया कि गीता अध्ययन के माध्यम से बंदियों में धैर्य एवं मानसिक शांति जैसे गुणों का विकास होगा जिससे उनके व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा।


छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, जशपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक **26.02.2026,** (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

| सिस्टम निविदा क्रमांक | निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक | कार्य का नाम | निविदा की लागत जी.एस.टी. छोड़ कर (लाख में) | आमंत्रण का क्रमांक |
|---|---|---|---|---|
| 185128 | 10/व.ले.लि /2025-26 दिनांक 05.02.2026 | सोरो व्यपवर्तन योजना का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य। | 288.83 | प्रथम आमंत्रण |
| 185130 | 11/व.ले.लि /2025-26 दिनांक 05.02.2026 | डोड़की व्यपवर्तन योजना का जीर्णोद्धार एवं मरम्मत कार्य। | 1159.19 | प्रथम आमंत्रण |

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **12.02.2026,** समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट :
1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट् वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 एवं दिनांक 08.08.2025 के जारी संशोधन के अनुसार है।
3. निविदाकार द्वारा अपने वित्तीय प्रस्ताव में जी.एस.टी. सहित निविदा भरा जाना है।

G-252606518/3

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, जशपुर (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार,
जल संसाधन विभाग, अंबिकापुर, (छ.ग.)

## संक्षिप्त समाचार

### परीक्षा पे चर्चा 2026 : जिले के स्कूलों में किया गया प्रसारण

**प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से विद्यार्थियों ने सीखे तनावमुक्त परीक्षा के मंत्र**

**मुंगेली(समय दर्शन)**कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशन में ''परीक्षा पे चर्चा 2026'' कार्यक्रम का जिले के विद्यालयों में भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक उद्बोधन का सजीव प्रसारण विभिन्न डिजिटल एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों जैसे यूट्यूब, फेसबुक लाइव, दूरदर्शन, पीएम ई-विद्या टीवी चैनलों, रेडियो चैनलों एवं विभिन्न ओटीटी प्लेटफार्मों के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने परीक्षा के समय विद्यार्थियों में होने वाले मानसिक तनाव से मुक्त रहने, आत्मविश्वास बढ़ाने, सकारात्मक सोच विकसित करने तथा समग्र कल्याण को अपनाने पर विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने परीक्षा को बोझ नहीं, बल्कि उत्सव के रूप में लेने का संदेश देते हुए कहा कि सही मानसिक दृष्टिकोण से परीक्षा का अनुभव आनंदमय और सीखने वाला बन सकता है। प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए व्यावहारिक सुझावों से विद्यार्थियों को न केवल परीक्षा की तैयारी में सहायता मिली, बल्कि उनके व्यक्तित्व विकास, समय प्रबंधन और मानसिक संतुलन को लेकर भी नई दिशा प्राप्त हुई। कार्यक्रम में शिक्षकों, अभिभावकों तथा गणमान्य नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रधानमंत्री के विचारों से प्रेरणा ली। जिले के सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से कार्यक्रम को देखा और सुना। शिक्षकों द्वारा कार्यक्रम के पश्चात विद्यार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव साझा किए गए, जिससे कार्यक्रम की सार्थकता और प्रभाव और अधिक सुदृढ़ हुआ। ''परीक्षा पे चर्चा 2026'' कार्यक्रम ने जिले के शैक्षणिक वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भरते हुए परीक्षा के प्रति दृष्टिकोण को नया आयाम दिया, जो निश्चित रूप से विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

### ओप्पो ने रेनो 15सी पेश किया

**नई दिल्ली:** ओप्पो इंडिया ने रेनो 15 सीरीज़ का विस्तार करते हुए ओप्पो रेनो 15सी का लॉन्च किया है। यह स्मार्टफोन रेनो का अनुभव और अधिक ग्राहकों तक पहुँचाने के लिए बनाया गया है, जो ट्रैवलर्स, क्रिएटर्स और फोटोग्राफी प्रेमियों को स्मार्टफोन का शानदार अनुभव प्रदान करेगा। रेनो 15सी में रिफाईंड डिज़ाईन, लंबी चलने वाली बैटरी और इंटैलिजेंट ए.आई फीचर्स के साथ रेनो सीरीज़ की मुख्य विशेषताएं मौजूद हैं, जो और अधिक किफायती मूल्य में उपलब्ध हो रही हैं। रेनो 15सी भारत में 5 फरवरी, 2026 से आफ्टरग्लो पिंक और ट्वाईलाईट ब्लू कलर्स में मिलना शुरू होगा। रेनो 15सी में 7000एम.ए.एच की शक्तिशाली बैटरी के साथ 80वॉट की सुपरवूक फास्ट चार्जिंग दी गई है। यह स्मार्टफोन इमर्सिव एमोलेड डिस्प्ले के साथ भरोसेमंद परफॉर्मेंस और शानदार ड्यूरेबिलिटी प्रदान करता है। कलरओएस 16 के साथ यह स्मार्टफोन गतिशील रहने वाले ग्राहकों के लिए बहुत ही भरोसेमंद है।

**प्रीमियम डिज़ाईन के साथ स्लिम और लाईटवेट स्माटफोन-** रेनो 15सी में ओप्पो ने अपना कोरल फ्लीस-लाईक स्किन-फ्रेंडली वैलवेट टैक्सचर पैनल दिया है, जो सॉफ्ट मैट फिनिश के साथ हाथों में बहुत अच्छा महसूस होता है और इस पर उंगलियों के निशान भी नहीं पड़ते हैं। साथ में ओप्पो का डायनामिक स्टेलर रिंग डिज़ाईन स्क्वैयर रिंग कैमरा ले-आउट के साथ सतह पर प्रकाश पड़ने पर हैलो इफेक्ट उत्पन्न करता है, जिससे स्मार्टफोन को बहुत रिफाईड और आकर्षक लुक प्राप्त होता है।

रेनो 15सी 8.14 मिमी और 195 ग्राम के साथ बहुत स्लिम और लाईटवेट स्मार्टफोन है। इसमें 1.67 मिमी के नैरो बेज़ेल्स के साथ 6.57 इंच का फ्लैट एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है। एफएचडी+ रिज़ॉल्यूशन, 10-बिट कलर और 92.8 प्रतिशत स्क्रीन-टू-बॉडी अनुपात व्यूईंग का शानदार अनुभव प्रदान करते हैं। विभिन्न तरह के वातावरण में कम्फर्ट के लिए इसमें इंटैलिजेंट ब्राईटनेस एडजस्टमेंट की सुविधा है, जो 60 निट्स की डिफॉल्ट ब्राईटनेस और 1400 निट्स तक की पीक ब्राईटनेस प्रदान करती है। रेनो 15सी के ट्वाईलाईट ब्लू वैरिएंट की प्रेरणा रात्रिकाल की शुरुआत और गैलेक्सी से ली गई है, वहीं आफ्टरग्लो पिंक आसमान में डूबते सूरज की कोमल गुलाबी लालिमा के साथ चमकती किरणों से प्रेरित है। इसलिए यह स्मार्टफोन भरोसेमंद होने के साथ बहुत स्टाईलिश भी है।

**मजबूत, भरोसेमंद और रोजमर्रा के एडवेंचर के लिए तैयार-** रेनो 15सी को रोजमर्रा के उपयोग के लिए बनाया गया है। इसमें स्लिम प्रोफाईल बनाए रखते हुए ओप्पो की ऑल-राउंड आर्मर बॉडी के साथ स्पंज बायोनिक कुशनिंग दी गई है, जिसमें एयरोस्पेस ग्रेड एल्युमीनियम फ्रेम झटकों को सोख लेता है तथा स्मार्टफोन के अंदरूनी पुर्जों को सुरक्षित रखता है। रेनो 15सी आईपी66, आईपी68 और आईपी69 रेटिंग के साथ आता है।

# सरसीवा कॉलेज को लेकर गरमाई सियासत : विधायक कविता लहरे कॉंग्रेस एनएसयूआई ने किया 16 किमी पैदल मार्च

**पुलिस प्रशासन ने गढचौक में पास प्रदर्शनकारियों को रोककर ज्ञापन लिया**

**सारंगढ़-बिलाईगढ़ सरसींवा ,टारजन महेश (समय दर्शन)** NSUI के नेतृत्व में शुक्रवार को कॉलेज के स्थान परिवर्तन के विरोध में बड़ा शक्ति प्रदर्शन किया गया। सरसीवा से जिला मुख्यालय तक 16 किलोमीटर की लंबी पदयात्रा कर पहुंचे सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं और छात्र नेताओं को पुलिस ने कलेक्ट्रेट पहुंचने से पहले ही गढ़ चौक के पास रोक लिया। इस दौरान प्रदर्शकारियों ने सड़क पर धरने पर बैठ गए और जमकर सरकार के खिलाफनारेबाजी करते हुआ तहसीलदार को ज्ञापन सौपा

**क्या है पूरा मामला-** दरअसल, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने बिलाईगढ़ विधानसभा के सरसीवा में सरकारी महाविद्यालय खोलने की घोषणा की थी। आरोप है कि वर्तमान में इस कॉलेज को सरसीवा नगर में न खोलकर, वहां से लगभग 10 से 15किलोमीटर दूर धोबनी में स्थानांतरित किया जा रहा है। जिसे लेकर सरसींवा क्षेत्र पहले ही विरोध दर्ज करवा चुकी है आज इसी निर्णय के विरोध में क्षेत्रीय विधायक सहित कॉंग्रेस ,युवा कोंग्रेस सहित छात्र संगठन सड़क पर उतर आए हैं। और 15 किलोमीटर सारँगढ़ जिला मुख्यालय पद यात्रा कर एक और महाविद्यालय के मांग किया

**विधायक कविता प्राण लहरे ने कहा –** हम धोबनी में कॉलेज खोलने के विरोधी नहीं हैं, वहां भी नया कॉलेज खोलें, लेकिन सरसीवा की जनता के हक को न छीना जाए। सरसीवा एक व्यवस्थित शहर है, जहां बच्चों के लिए परिवहन और सुरक्षा की बेहतर सुविधाएं हैं। धोबनी में भी खुलना चाहिये और सरसींवा में महाविद्यालय खोलने सरकार से मांग की

NSUI जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि निजी कॉलेज को फायदा पहुचने के लिए सरसींवा में सरकारी महाविद्यालय को अन्य जगह स्थान्तरित किया जा रहा है कॉलेज को शहर से 10 से 15 किलोमीटर दूर ले जाना ग्रामीण छात्रों, विशेषकर छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। सुनसान रास्तों और लंबी दूरी के कारण छात्रों को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। कांग्रेस नेत्री लता जाटवर ने भी स्पष्ट किया कि यदि मांग पूरी नहीं हुई, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। मांग की है कि ?महाविद्यालय को पूर्व घोषित स्थान सरसीवा नगर में ही स्थापित किया जाए। नही तो एक नया महाविद्यालय और खोला जाए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे सरसीवा से लेकर सारँगढ़ गढ़ चौक तक पुलिस लगातार पेट्रोलिंग करती है

## सारँगढ़ सतनामी समाज ने नवगठित जिले में आरक्षण रोस्टर निर्धारण की मांग को लेकर कलेक्टर को सौपा ज्ञापन



**2001 और 2011 की जनगणना के आधार पर 100-बिंदु रोस्टर की मांग**

**सारंगढ़-बिलाईगढ़ टारजन महेश (समय दर्शन )-** सारँगढ़ सतनामी समाज के लोगो ने आज कलेक्टर के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौपा है जिसमे जिले के नवगठित होने के बाद अब यहाँ जिला स्तरीय संवर्ग में नियुक्तियों और पदोन्नति के लिए 100-बिंदु आरक्षण रोस्टर के निर्धारण की मांग उठने लगी है। इस संबंध में शासन के नियमों और सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए एक विस्तृत आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसमें वर्ष 2001 और 2011 की जनगणना के पुनर्गठित आंकड़ों के आधार पर पारदर्शी आरक्षण प्रणाली लागू करने का आग्रह किया गया है।

जनसंख्या के आधार पर आरक्षण का गणित प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के अनुसार, सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला वर्ष 2001 और 2011 की जनगणना के समय अस्तित्व में नहीं था। अतः पुरानी प्रशासनिक इकाइयों (ब्लॉक और तहसील) के आंकड़ों को जोड़कर नई जिला सीमाओं के अनुसार पुनर्गठित किया गया है।

वर्ष 2001 के अनुसारः जिले की कुल जनसंख्या 4.95 लाख थी, जिसमें अनुसूचित जाति (SC) 26.2त्न, अनुसूचित जनजाति (ST) 14.3त्न और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) का मानक 14त्न आरक्षण प्रस्तावित है।

वर्ष 2011 के अनुसारः जिले की कुल जनसंख्या बढ़कर 6.07 लाख हो गई, जिसमें स्ष्ट वर्ग 28.62त्न, स्ञ्ज वर्ग 13.33त्न और ह्रक्चष्ट के लिए 14त्न आरक्षण लागू होता है।

**सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला-** आवेदन में आर.के. सभरवाल बनाम पंजाब राज्य (1995) के ऐतिहासिक फैसले का संदर्भ दिया गया है। इसके अनुसार, आरक्षण रोस्टर 'पद-आधारित' होना चाहिए और इसे संवर्ग में समान दूरी पर वितरित किया जाना चाहिए। इसका अर्थ है कि आरक्षण के बिंदु पूरे 100-बिंदु रोस्टर में इस तरह फैले होने चाहिए कि किसी भी वर्ग का प्रतिनिधित्व एक ही स्थान पर केंद्रित न हो।

?प्रशासनिक स्पष्टता की मांग

जिले में भविष्य में होने वाली भर्तियों और प्रशासनिक नियुक्तियों में किसी भी प्रकार के विधिक विवाद से बचने के लिए यह मांग की गई है कि 'मानक बिंदु'पद्धति अपनाते हुए स्पष्ट रोस्टर जारी किया जाए। इससे जिले के युवाओं और कर्मचारियों को उनके संवैधानिक अधिकार पारदर्शी तरीके से प्राप्त हो सकेंगे।

## सारंगढ़ में 8 फरवरी को जुटेगा सतनामी समाज, भव्य प्रदेश स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन

***ज्ञान स्थल पुष्प वाटिका में होगा गरिमामय आयोजन**

**अविवाहितों के साथ विधवा, विधुर और तलाकशुदा भी कर सकेंगे जीवनसाथी का चयन**

**गुरु खुशवंत साहेब होंगे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि**

**सारंगढ़-बिलाइगढ़ः टारजन महेश (समय दर्शन)।** छत्तीसगढ़ गुरु घासीदास मिनीमाता सतनामी समाज विवाह समिति एवं समस्त सतनामी समाज सारंगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 8 फरवरी 2026 रविवार को एक भव्य प्रदेश स्तरीय सतनामी समाज युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है यह कार्यक्रम सारंगढ़ स्थित ज्ञान स्थल पुष्प वाटिका




(कलेक्टर परिषद के पास) में सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ होगा ।

**मुख्य अतिथि एवं गरिमामय उपस्थिति-** इस भव्य सामाजिक समागम के मुख्य अतिथि गुरु खुशवंत साहेब होंगे उनकी उपस्थिति समाज के युवाओं और परिवारों के लिए प्रेरणादायी होगी कार्यक्रम में प्रदेश भर से समाज के प्रतिष्ठित नागरिक और प्रतिनिधि शामिल होंगे ।

**आयोजन का उद्देश्य-** समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि आज के भागदौड़ भरे समय में परिवारों को योग्य जीवनसाथी खोजने में आने वाली कठिनाइयों को दूर करना इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है यह मंच समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के साथ-साथ विधवा विधुर एवं वैधानिक रूप से तलाकशुदा भाई-बहनों को भी पुनर्विवाह के जरिए नए जीवन की शुरुआत करने का अवसर प्रदान करेगा ।

**पंजीयन प्रक्रिया एवं शुल्क-** सम्मेलन में सहभागिता के लिए अग्रिम पंजीयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है पंजीयन हेतु सेवा शुल्क मात्र ?300 निर्धारित किया गया है जो लोग किसी कारणवश अग्रिम पंजीयन नहीं करा पाए हैं उनके लिए 8 फरवरी को कार्यक्रम स्थल पर भी सुबह से पंजीयन की सुविधा उपलब्ध रहेगी ।

## प्रतिबंधित टेबलेट की तस्करी करते आरोपी गिरफ्तार, एंटी नारकोटिक टॉस्क फोर्स एवं थाना बलौदा पुलिस की कार्यवाही

**तस्कर शेख रेहान पिता शेख शाहिद निवासी सरायपाली बलौदा पुलिस की गिरफ्त में**

**सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन)** - एन्टी नारकोटिक टॉस्क फोर्स द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी तथा इंड टू इंड एवं फाइनेशियल इनवेस्टिगेशन, सोर्स प्वाइंट, डेस्टिनेशन प्वाइंट पर प्रभावी एवं विधिवत कार्यवाही करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ है। जिले में पुलिस के द्वारा लगातार चेंकिंग कार्यवाही की जा रही है, इसी दरमियान सूचना मिली की विवरण (एक व्यक्ति एच एफडीलक्स क्रमांक सीजी 06 जीटी 7940 में सवार ओड़ीसा राज्य की ओर से अवैध टेबलेट लेकर जा रहे है, सूचना पर




घेराबंदी कर पुछताछ एवं वाहन एवं रखे सामग्री की जॉच करने पर 899 नग अवैध टेबलेट ले जाते पाया गया। जिस पर विधिसम्मत कार्यवाही करते हुए थाने में आरोपियों से 899 नग प्रतिबंधित टेबलेट जब्त, कीमत 6571.69 रुपए परिवहन हेतु प्रयुक्त वाहन (मोटर सायकल एच एफ डीलक्स क्रमांक सीजी 06 जी टी 7940 कीमती 20,000 रुपये तथा 01 नग ट्च स्कीन मोबाईल फोन 5000 रुपये कुल जुमला कीमती 31 हजार 05 सौ 71 रूपये को जप्त किया गया है। आरोपी का कृत्य अपराध क्रमांक 11/26, धारा 21 एनडीपीएस एक्ट का पाये जाने से एक आरोपी को विधिवत गिर0 किया जाकर थाना बलौदा में अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण के आरोपी को न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय पेश की कार्यवाही की जा रही है। यह सम्पूर्ण कार्यवाही एन्टी नारकोटिक टॉस्क फोर्स एवं थाना बलौदा पुलिस की टीम के द्वारा की गई।

# बम्हनी चारभाठा में विशाल हिंदू सम्मेलन : जातिगत भेदभाव छोड़ एकजुट होने का आह्वान, 15 गांवों से पहुंचे लोग

**छुरिया।** विकासखंड के ग्राम बम्हनी चारभाठा के हाई स्कूल मैदान में सर्व हिंदू समाज बम्हनी मंडल द्वारा विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। उक्त सम्मेलन में आसपास के लगभग 12 से 15 गांव के हिन्दू भाई-बहन, माताएं एवं आम जनमानस अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे थे।

कार्यक्रम का प्रारंभ शीतला माता मंदिर में पूजा-अर्चना के पश्चात भव्य कलश यात्रा निकाली गई। उक्त कलश यात्रा ग्राम के विभिन्न गलियों से होते हुए प्रमुख चौक-चौराहों एवं मार्गो से गुजरकर बस स्टैंड होते हुए हाईस्कूल मैदान में स्टेडियम के सामने आयोजन स्थल पर पहुंचा, जहां पर मां भारती एवं भारत माता की पूजा-अर्चना करने के पश्चात विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सर्वप्रथम रामायण मानस गायन का आयोजन किया गया। रामायण मानस गान के माध्यम से यह बताया गया कि हमारा हिंदू समाज विभिन्न जातियों में बंटा हुआ है। ऐसे में हमें जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर एक साथ रहना होगा तथा अपने देश एवं धर्म की रक्षा करनी होगी। सदियों से भारत भूमि पर विदेशी आक्रमणकारों ने यहां हमला बोला। यहां आकर देश के हमारे भोले-भाले गरीब हिंदू परिवार के लोगों को पैसे का लालच एवं विभिन्न बीमारियों का भय दिखाकर हजारों लाखों लोगों को धर्म परिवर्तन कराया तथा हिंदू धर्म को तोड़ने की असफल कोशिश किया है।

सम्मेलन में हिन्दू धर्म के अंतर्गत विभिन्न समाजों के जिला/तहसील/क्षेत्रीय समाज प्रमुखों/प्रतिनिधियों का नारियल श्रीफल, गमछा भेंट कर, तिलक लगाकर एवं हार पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। संत रविदास समाज, गुरु घासीदास समाज, बौद्ध समाज, पाल समाज, वैष्णव समाज, आदिवासी नागवंशी समाज, आदिवासी ध्रुवंशीय समाज, साहू समाज, सेन समाज, सिन्हा समाज, चंद्रवंशी समाज, विश्वकर्मा समाज, ब्राह्मण समाज, यादव समाज, पटेल मरार समाज, निर्मलकर समाज सहित समस्त समाजों के समाज प्रमुखों रविन्द्र वैष्णव, शेखर भरतद्वाज, नैनसिंग पटेल, रविन्द्र टांडेकर, धनुष राम मंडावी, हुकुमचंद साहू, राजकुमार टेम्बुरकर, घासीराम पाल, रमेशर चंद्रवंशी, कृष्णा लाल विश्वकर्मा, टीकम पांडे, जोहित लाल देशलहरे आदि।



इसके साथ ही स्थानीय सरपंच मीना ध्रुवे, अंजू धनकर, विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों अजय पटेल अध्यक्ष नगर पंचायत, भुवनेश्वर साहू, सिख समाज के प्रतिनिधि के तौर पर जगजीत सिंह लक्की भाटिया, बिमला सिन्हा समाजसेविका, उभय राम जनपद सदस्य, भान बाई मंडावी जनपद सदस्य, खेमचंद साहू, टीकम साहू सहित अनेक समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों का आयोजन समिति के सदस्यों भूखन लाल धनकर, राजकुमार मिश्रा, जाकेश साहू, विजय बहादुर सिंह, शिवा मिश्रा, तोरण दास वैष्णव, प्रमोद वर्मा, उभय राम मंडावी, यादो दास वैष्णव, सतीश यादव, गौतम चंद साहू, अवधेश राजपूत, घासीराम पाल, पद्मभूषण साहू, पुना राम वर्मा, शेखर साहू, रमेश कटेंगा, हृदय राम नेताम, डॉक्टर अनिल सुरसावंत आदि ने स्वागत अभिनंदन किया।

बीच-बीच में स्कूली बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। जिसमें मां भारती एवं भारत माता की पूजा-आरती, स्वागत गीत, वंदे मातरम, भारत का बच्चा-बच्चा जय-जय श्रीराम बोलेगा...जोत जवांरा गीत, छत्तीसगढ़ी लोक कला एवं संस्कृति से संबंधित गीतों पर छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक नित्य प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से आए हुए प्रमुख अतिथियों एवं वक्ताओं ने सभा में उपस्थित आम जनमानस को अपना उद्बोधन दिया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अभय वाजपेई विभाग सेवा प्रमुख, अनिल श्रीवास्तव सह प्रांत सेवा प्रमुख, बसराम साहू मानस प्रेमी एवं शंकर साहू मानस प्रेमी आदि प्रमुख थे। वक्ताओं ने देश, धर्म, विश्वपटल की वर्तमान परिस्थितियो पर आधारित समस्याओं एवं उनके समाधान पर बाते कहीं। पारिवारिक संस्कार, देश के पूर्व में हुए विदेशी आक्रमण, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार, अल्पसंख्यक हिंदुओं की मारकाट एवं आगजनी, उत्पीड़न आदि की चर्चा करते हुए भारत देश में हिंदुओं की घटती आबादी पर चिंता व्यक्त की गई। सम्मेलन में पहुंचे सभी आम जनमानस के लिए सर्व हिन्दू समाज मंडल बम्हनी द्वारा भोजन प्रसादी की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी। भोजन भंडारा दोपहर एक बजे से लेकर शाम छह बजे तक चलते रहा।

वक्ताओं ने हम सभी हिंदू समाज के लोगों को एक होकर और मिल-जुलकर रहने पर बल दिया गया। छोटी-छोटी बातों पर आपस में नहीं लड़ने, आपसी पारिवारिक मुद्दों को मिल बैठकर घर परिवार में ही हल करने की बाते कही गई।

विधर्मियों के लालच और षड्यंत्र में नहीं फंसने तथा धर्म परिवर्तन नहीं करने हेतु आग्रह किया गया। हमें अपने इष्ट देवी देवताओं की विधि सम्मत पूजा-अर्चना करने, प्रत्येक शनिवार अथवा मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ करने, गांवों में बाहरी आगंतुकों पर नजर रखने तथा अपने पूर्वजों एवं देश के विभिन्न महापुरुषों द्वारा सनातन धर्म के बताए हुए मार्ग पर चलने की सलाह दी गई, जिससे हमारा देश को परम वैभव की प्राप्ति होगी। भारत विश्व का सिरमौर बनेगा। उक्त कार्यक्रम में क्षेत्र एवं आपपास से बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न सामाजिक बंधुजन, माताएं-बहनें, वरिष्ठ नागरिकगण एवं आम जनमानस पहुंचे थे।

## खबर-खास

### बिल्डिंग ठेकेदार के घर 3 लाख की चोरी

**दुर्ग।** जिले में चार से ज्यादा चोरों ने बिल्डिंग ठेकेदार के घर में लाखों रुपए की चोरी चोरी को अंजाम दिया है। चोरों ने सोने-चांदी के जेवर और बड़ी रकम के कैश चोरी कर लिए। यह मामला अमलेश्वर थाना इलाके की है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी और अन्य सबूतों से आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ भी कर रही है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ने का दावा किया गया है। पीड़ित ने चोरी हुए जेवरात से जुड़े करीब 18 बिल भी पुलिस को दिए हैं। ग्राम मोतीपुर खम्हरिया रोड में रहने वाले राम स्वरूप साहू ने थाना अमलेश्वर में शिकायत दी है कि उनके घर से लाखों रुपए के जेवर और नकदी चोरी हो गए। उन्होंने बताया कि चोर घर के पीछे के दरवाजे से अंदर आए। मुख्य दरवाजे का लॉक टूटा नहीं था, लेकिन कमरे का लॉक टूटा हुआ मिला। घर के भीतर सामान बिखरा हुआ था और अलमारी का ताला तोड़कर कीमती सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए गए। पुलिस ने चोरी हुए सामान की कीमत करीब 3,18,070 रुपए आंकी है। चोरी में 34 सोने के जेवर, 14 चांदी के जेवर शामिल हैं। इसके अलावा लाखों रुपए कैश की भी चोरी होने की जानकारी दी गई है।

### जिला जेल में बंदियों को कराया जा रहा गीता का अध्ययन

**कवर्धा।** जिला जेल कबीरधाम में बंदियों के नैतिक, आध्यात्मिक एवं व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से गीता परिवार के द्वारा नियमित रूप से गीता के सभी अध्यायों का अध्ययन कराया जा रहा है। कलेक्टर गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में 03 फरवरी 2026 से प्रारंभ किया गया है। कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के 11 बंदियों को गीता के समस्त अध्यायों का क्रमबद्ध अध्ययन कराया जा रहा है। प्रतिदिन प्रात: 7.30 बजे से 8.10 बजे तक ऑनलाइन माध्यम से गीता पाठ का आयोजन किया जा रहा है। गीता परिवार से जुडे वर्षा वर्मा (धर्मपत्नी कलेक्टर गोपाल वर्मा), नितिन गोरे एवं साई काव्या के द्वारा बंदियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से गीता पाठ की कक्षाएं ली जा रही है और सरल एवं सहज भाषा में गीता के श्लोकों का अर्थ, भावार्थ एवं जीवन में उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी जा रही है।सहायक जेल अधीक्षक राजेंद्र बंजारे ने बताया कि यह गीता अध्ययन कार्यक्रम कुल 3 माह की अवधि का होगा, जिसमें बंदियों को गीता के सभी 18 अध्यायों का अध्ययन कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य बंदियों के भीतर सकारात्मक सोच का विकास करना, आत्मचिंतन की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें जीवन में सही दिशा एवं मूल्यबोध प्रदान करना है। बंजारे ने बताया कि गीता अध्ययन के माध्यम से बंदियों में धैर्य एवं मानसिक शांति जैसे गुणों का विकास होगा जिससे उनके व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा।

### आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिंघनगढ़ को प्रदेश में मिला दूसरा स्थान

**कवर्धा।** कबीरधाम जिले के विकासखंड सहसपुर लोहारा अंतर्गत संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिंघनगढ़ ने अपनी उत्कृष्ट सेवाओं और बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए प्रदेश स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कायाकल्प आयुष 2024 के तहत स्वच्छता, सुव्यवस्था और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए राज्य में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिंघनगढ़ पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कायाकल्प आयुष 2024 के तहत 1172 संस्थाओं को पछाड़कर दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिंघनगढ़ की पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में टीम की प्रतिबद्धता, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिंघनगढ़ ने स्वच्छता, व्यवस्थित व्यवस्था, मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार और गुणवत्तापूर्ण आयुष सेवाओं का उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत किया है, वह पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने आगे कहा कि कायाकल्प आयुष का उद्देश्य संस्थान की कार्यप्रणाली, रोगी संतुष्टि, औषधि उपलब्धता, उपचार की गुणवत्ता और समग्र स्वास्थ्य वातावरण को बेहतर बनाना है। सिंघनगढ़ की टीम ने इन सभी मानकों पर बेहतरीन प्रदर्शन कर यह सिद्ध बताया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं दी जा सकती हैं। कलेक्टर वर्मा ने चिकित्सा अधिकारियों, आयुष चिकित्सकों, फार्मासिस्ट, नर्सिंग स्टाफ एवं सहयोगी कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता पूरी टीमवर्क का परिणाम है।जिला आयुष अधिकारी डॉ. संजय श्रीवास्तव ने बताया कि कलेक्टर गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में स्वच्छ वातावरण, सुव्यवस्थित व्यवस्था, बेहतर उपचार सुविधाएं और मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार के कारण आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिंघनगढ़ केंद्र निरंतर लोगों का विश्वास जीत रहा है।

# नेत्र रोगों की समय पर पहचान और गुणवत्तापूर्ण उपचार पर जोर

**कबीरधाम में नेत्र चिकित्सा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों का एक दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित**

**कवर्धा (समय दर्शन)।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कबीरधाम के मार्गदर्शन में नेत्र वसंत रूरल आई हेल्थ प्रोग्राम के अंतर्गत नेत्र चिकित्सा अधिकारियों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए गुणवत्तापूर्ण नेत्र देखभाल विषय पर एक दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला अस्पताल के सभागृह में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जन कल्याण सामाजिक संस्थान द्वारा साइट सेवर इंडिया के तकनीकी सहयोग से किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में नेत्र रोगों की समय पर पहचान, प्राथमिक स्तर पर नेत्र जांच की गुणवत्ता में सुधार, सुदृढ़ रेफरल प्रणाली का निर्माण, तथा नेत्र देखभाल से संबंधित नवीन राष्ट्रीय दिशानिर्देशों एवं प्रोटोकॉल से स्वास्थ्य कर्मियों को अवगत कराना रहा। विशेष रूप से बैगा बाहुल्य एवं दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में आपसी समन्वय के माध्यम से मोतियाबिंद रोगियों के सफल ऑपरेशन को सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन श्रीमती अनुपमा तिवारी, डॉ. एस.के. शर्मा (जिला पैथोलॉजिस्ट, जिला अस्पताल), जिला नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम श्रीमती क्षमा चोपड़ा, साइट सेवर इंडिया से उर्मिमाला, तथा क्रियान्वयन संस्था के प्रतिनिधि श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। साइट सेवर इंडिया, छत्तीसगढ़ की राज्य प्रमुख उर्मिमाला जी ने नेत्र वसंत रूरल आई हेल्थ प्रोग्राम की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम जिला प्रशासन के सहयोग से संचालित किया जा रहा है और लक्ष्यों की प्राप्ति केवल सशक्त समन्वय एवं सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। डीपीएम श्रीमती अनुपमा तिवारी ने अधिक से अधिक मोतियाबिंद रोगियों के चिन्हांकन पर जोर देते हुए फील्ड स्तर पर आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के समाधान पर विस्तृत चर्चा की। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने भी जमीनी स्तर पर हो रही चुनौतियों से अधिकारियों को अवगत कराया। जिला नोडल अधिकारी क्षमा चोपड़ा ने संस्थाओं से आग्रह किया कि चिन्हित मोतियाबिंद रोगियों को सर्जरी हेतु जिला अस्पताल भेजने में सक्रिय भूमिका निभाई जाए, ताकि अंधत्व निवारण कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके। कार्यक्रम में जिले के नेत्र सहायक, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, सूर्या नेत्रालय के प्रतिनिधि, उदयाचल राजनांदगांव के नेत्र सहायक देव लाल बंजारे, साइट सेवर इंडिया से अशोक नंदेश्वर, मोबिलाइज़र जय प्रकाश पोर्ते, तुलाराम यादव सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

## मुख्यमंत्री कन्या विवाह 10 फरवरी को 251 जोड़ों का होगा सामूहिक विवाह

**कवर्धा।** मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए संबल बनकर उभरी है। प्रत्येक माता पिता का सपना होता है कि वे अपनी बेटी का विवाह उचित समय पर सम्मानपूर्वक कर सकें, किंतु सीमित आय और आर्थिक कठिनाइयों के कारण अनेक परिवारों को चिंता और परेशानी का सामना करना पड़ता है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने ऐसी ही चिंताओं को दूर करते हुए जरूरतमंद परिवारों को राहत प्रदान की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल में योजना की सहायता राशि को बढ़ाकर 25 हजार रुपये से 50 हजार रुपये कर दिया गया है।

बीते दो वर्षों में अब तक जिले में कुल 724 जोड़ों का विवाह मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा चुका है। वहीं 10 फरवरी 2026 को कबीरधाम जिले के सरदार वल्लभभाई पटेल मैदान में आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह समारोह में लगभग 251 कन्याओं का विवाह संपन्न कराया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से जुड़कर नव विवाहितों को आशीर्वाद देंगे और कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। सामूहिक विवाह की तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं ताकि समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हो सके। इस योजना के तहत सामूहिक विवाह समारोह में वैवाहिक संस्कार पूर्ण किए जाते हैं। जिला प्रशासन परिवार की भूमिका निभाते हुए समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करता है, जिससे नवविवाहित जोड़ों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का उद्देश्य गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग प्रदान करना, सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करना तथा बेटियों के सम्मानपूर्ण भविष्य की राह को आसान बनाना है। यह योजना आर्थिक सहायता के साथ साथ समाज में सम्मान, समानता और सामाजिक समरसता का संदेश भी देती है।

## 50 साल एक राष्ट्र मैगी के अनगिनत 'साथ होने के पल' – अब आधिकारिक तौर पर प्रमाणित

**मैगी के भारत में 50 साल पूरे करने पर जारी स्मारक डाक टिकट**

**इन्दौर।** नेस्ले इंडिया ने भारत में मैगी के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक विशेष उपलब्धि का जश्न मनाते हुए एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। इस डाक टिकट का अनावरण नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मनीष तिवारी ने भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान की उपस्थिति में किया। यह डाक टिकट मैगी की उस विकास यात्रा को समर्पित है, जिसमें ब्रांड ने समय से आगे रहते हुए एक अत्यंत लोकप्रिय श्रेणी के पर्याय के रूप में अपनी पहचान बनाई और पीढ़ियों से लोगों को एक साथ लाने का कार्य निरंतर किया।

पिछले पाँच दशकों में मैगी ने नूडल्स और मसालों से लेकर सॉस, सूप और रेडी-टू-कुक पसंदीदा उत्पादों तक, कई स्वादिष्ट रूपों में भारतीय घरों में अपनी जगह बनाई है। झटपट बने अकेले भोजन से लेकर परिवार को एक साथ लाने वाले व्यंजनों तक, और हॉस्टल की रसोइयों से लेकर बड़े पारिवारिक आयोजनों तक, मैगी देश भर में अनगिनत भोजन पलों का हिस्सा रही है। 50 ईयर्स ऑफ़टुगेदरनेस डाक टिकट इन साझा अनुभवों को समर्पित एक श्रद्धांजलि है, जो उस अपनापन, सुकून और जुड़ाव को दर्शाता है, जिसे मैगी आज भी भारत भर की थालियों तक पहुँचाती है।

भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान ने कहा, भारत का प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र पिछले कई दशकों में घरेलू उपभोक्ताओं का विश्वास अर्जित करने में उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ा है। अग्रणी ब्रांड्स ने नई श्रेणियों का निर्माण किया है और हमारे खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाया है। इस उल्लेखनीय यात्रा का हिस्सा बनते हुए 50 वर्ष पूरे करने पर मैं मैगी को बधाई देता हूँ।

डाक टिकट के शुभारंभ की घोषणा करते हुए, नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मनीष तिवारी ने कहा , भारत में मैगी के लिए यह वास्तव में एक विशेष उपलब्धि है। हमारे जैसे जीवंत और विविधतापूर्ण देश में पाँच दशकों का सफ़र तय करना उस विश्वास, स्नेह और रोज़मर्रा के प्रेम का प्रतीक है, जो लाखों उपभोक्ताओं ने इस ब्रांड पर निरंतर बरसाया है। यह उन साझा पलों, बदलते स्वादों और उस रिश्ते का उत्सव है, जो वर्ष दर वर्ष और पीढ़ी दर पीढ़ी और भी मजबूत होता गया है।

नेस्ले इंडिया इस जुड़ाव को और देशभर में लोगों के दैनिक जीवन में गर्माहट, सुकून और साथ होने के पलों में निरंतर योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

## होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने जनवरी 2026 में 5.74 लाख यूनिट बिक्री के साथ मजबूत वृद्धि दर्ज की

**नईदिल्ली।** होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने जनवरी 2026 में कुल 5,74,411 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। इसमें 5,19,579 यूनिट्स घरेलू बाजार में और 54,832 यूनिट्स निर्यात के रूप में शामिल हैं। जनवरी 2025 की तुलना में HMSI ने कुल बिक्री में 29% की वर्ष-दर-वर्ष (YOY) वृद्धि दर्ज की है। यह प्रदर्शन घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में HMSI के उत्पाद पोर्टफेलियो की मजबूत मांग को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2026 (FY26) की वर्ष-से-तिथि अवधि (अप्रैल 2025 से जनवरी 2026) के दौरान, HMSI ने कुल 52,53,205यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जिसमें से 47,23,979 यूनिट्स घरेलू बाजार में और 5,29,226 यूनिट्स निर्यात के रूप में बेचीगईं। जनवरी 2026 की प्रमुख उपलब्धियां- सड़क सुरक्षा : सभी के लिए सुरक्षा के अपने विज़न के अनुरूप, HMSI ने देशभर में अहमदनगर, अलीबाग, बल्लभगढ़, भुवनेश्वर, दौसा, गुवाहाटी, ग्वालियर, होसपेटे, काकीनाडा, कासरगोड, कुरुक्षेत्र, रायपुर और सूरत सहित कई स्थानों पर सड़क सुरक्षा अभियान आयोजित किए। इन अभियानों का उद्देश्य जिम्मेदार वाहन चलाने को प्रोत्साहित करना और सामुदायिक जागरूकता बढ़ाकर सभी के लिए सुरक्षित सड़कों का निर्माण करना था। HMSI ने केरल के मलप्पुरम में एक सड़क सुरक्षा सम्मेलन भी आयोजित किया, जिसमें स्कूलों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को शामिल किया गया, ताकि बच्चों में कम उम्र से ही सुरक्षित सड़क आदतों को विकसित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, HMSI ने देशभर में जागरूकता अभियानों की एक श्रृंखला चलाई और राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर 'जयपुर आइडियल रोड सेफ्टी प्रोजेक्ट' की शुरुआत की।

## गजेंद्र का प्रहार अनुदानित स्कूल बंद

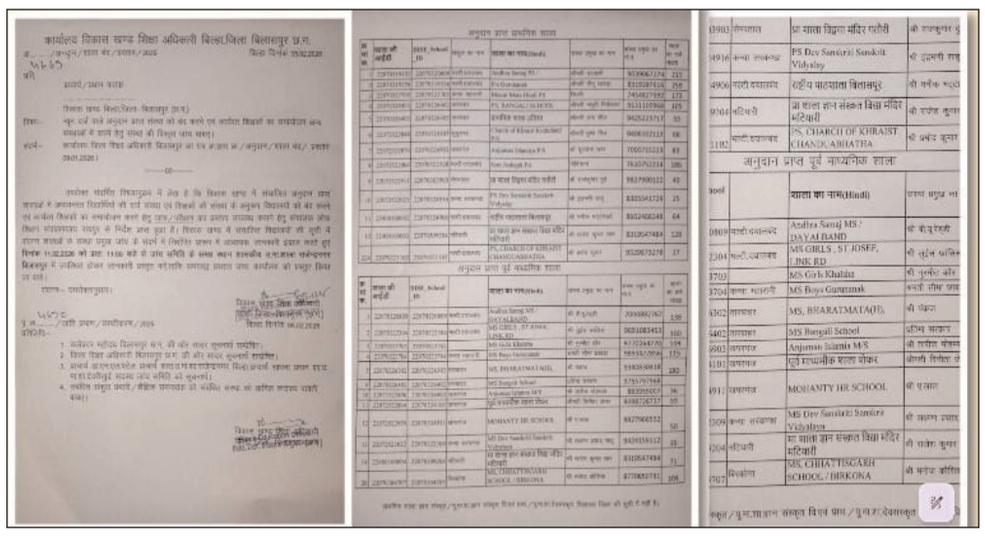

**बिलासपुर (समय दर्शन)।** आत्मानंद की केजी 1, केजी 2 बंद करने के बाद छत्तीसगढ़ के शिक्षा मंत्री का पेट नहीं भरा, अब एक दो नहीं दर्जनों स्कूल जो अनुदान प्राप्त प्राथमिक शालाएं हैं को बंद करने का फरमान जिला शिक्षा अधिकारी ने जारी किया।

शासकीय पत्र का विषय न्यून दर्जे वाले अनुदान प्राप्त संस्था को बंद करने एवं कार्यरत शिक्षकों का समायोजन के अंतर्गत संचालक लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर से निर्देश के बाद बंद किया जा रहे अनुदानित स्कूलों की सूची है। इस सूची में मसीही समाज के भारत माता स्कूल, शेफर्ड स्कूल, बर्जेस स्कूल, सेंट जोसेफ स्कूल का नाम है। बाकी शालाओं का हम नहीं जानते पर एक बात स्पष्ट है मसीही समाज के स्कूल के साथ लगी हुई जमीन अब सीधे लीज रद्द करने के बाद सरकार कब्जा कर लेगी। सहानुभूति स्कूल के साथ थी जो एक ही प्रहार से समाप्त कर दी गई। शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर ऐसी नीयत नीति देश ने कभी नहीं देखी।

// कार्यालय तहसीलदार, दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.) //

:: विक्रय की उदद्योषणा ::

क्रमांक / 428 / तहसीलदार / प्र-01 / 2026 दुर्ग दिनांक 30/01/2026

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि "महात्वाकांक्षी बिल्डर्स, पता-दुकान नंबर 67, बी.एस.पी. मार्केट, रिसाली भिलाई तहसील व जिला दर्ग के स्वामित्व की कुर्कशुदा सम्पत्तियों की नीलामी दिनांक 13.02.2026 दिन-शुक्रवार को समय-दोपहर 12.00 बजे से विक्रय स्थान-डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन हॉल, शासकीय विश्वराथ तामस्कर महाविद्यालय, जी.ई.रोड दुर्ग में किया जाना है।

इच्छुक बोलीदार संपत्ति के "बाजार मूल्य" का अग्रिम राशि का 10 प्रतिशत राशि को बैंकर्स चेक या डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से तहसीलदार दुर्ग के पक्ष दिनांक 12.02.2026 दिन-गुरूवार तक कार्यालयीन समय सुबह 11.00 बजे से सांय 04.00 बजे के मध्य (अवकाश दिवस को छोड़कर) न्यायालय तहसीलदार दुर्ग के कक्ष में उपस्थित होकर जमा कर सकते है। उक्त राशि जमा करने के पश्चात ही नीलामी में बोली लगा सकते है।

नीलामी हेतु विक्रय की नियम व शर्तें सहित विस्तृत जानकारी जिला दुर्ग के वेबसाईट www.durg.gov.in में उपलब्ध है, जिसका अवलोकन किया जा सकता है। नीलामी हेतु संपत्ति की जानकारी निम्नानुसार है-

अनुसूची

| क्रं. | ग्राम का नाम | निलामी की जा रही संपत्ति की जानकारी | क्षेत्रफल | आफसेट मूल्य | अमानत राशि (आफसेट मूल्य का 10 प्रतिशत) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | रिसाली | फ्लैट नंबर 333 (मधुरिशा हाईट्स फेस-3 ई-ब्लॉक, तृतीय तल) | 1908.56 वर्गफीट | 53,03,275.00 | 5,30,327/- |
| 2 | | फ्लैट नंबर 405 (मधुरिशा हाईट्स, ए-ब्लॉक, चतुर्थ तल) | 1461.65 वर्गफीट | 40,62,102.00 | 4,06,210/- |

यह उदद्योषणा आज दिनांक 30 .01.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी की गई है।

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

G-252606466/1

## संक्षिप्त-खबर

### सेजेस ठेलका में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को दी गई भावभीनी विदाई

**साजा ( समय दर्शन )।** सेजेस ठेलका में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के सम्मान में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं आत्मीय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के विद्यालय जीवन की मधुर स्मृतियों को संजोते हुए उन्हें उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देना था। समारोह का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात कनिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत, सांस्कृतिक नृत्य एवं प्रेरणादायक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की गईं, जिन्होंने सभी को भावविभोर कर दिया।

विद्यालय के प्राचार्य श्री टिकेश्वर लाल साहू ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम एवं नैतिक मूल्यों के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि छोटी-मोटी गलतियाँ जीवन का स्वाभाविक हिस्सा होती हैं, उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना ही सफलता की कुंजी है।

इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ व्याख्याता श्री एम. एल. मार्कण्डेय, श्री संजय कुमार सेन, श्री धर्मपाल वर्मा एवं श्री संतोष कुमार मिश्रा ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया और उन्हें आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच एवं लक्ष्य के प्रति निरंतर समर्पण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में संस्था के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने भी अपने विद्यालयीन अनुभव साझा करते हुए शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए तथा मंगलकामनाओं के साथ समारोह का समापन किया गया। यह विदाई समारोह सभी के लिए भावनात्मक एवं अविस्मरणीय रहा।

### ढाबों में शोषण पर श्रम विभाग का मौन

**बिलासपुर ( समय दर्शन )।** एक समय था जब बाल श्रमिक को से काम करना दुकानदारों को सिर दर्द लगता था। डरते थे कानून कड़ा था। फिर सरकार ने आयु की छूट दी अब तो बिलासपुर रायपुर रोड के ढाबों में कम आयु के श्रमिक की बाढ़ है और सब ढाबा मालिक के रिश्तेदार हैं। ये दो तर्क कानून से बचाव का रास्ता है श्रमिक यदि गरीब परिवार से है तो और अच्छा यदि कोई दुर्घटना हो भी गई तो इलाज का वादा और थोड़ी सी राशि श्रमिक के अभिभावक को मुंह बंद रखने के लिए एक ऐसी ही घटना भोजपुरी टोल प्लाजा के पास एक ढाबे में हुई पूरा मामला बिलासपुर जिला के क्षेत्राधिकार अंतर्गत आता है। थाना क्षेत्र हिर्री है दुर्घटना में घायल का इलाज बिलासपुर के एक बर्न अस्पताल में चल रहा है। दिन प्रतिदिन बीतता जाता है ढाबों पर श्रम विभाग के किसी कर्मचारी के पर ही नहीं पड़ते हैं। इतना ही नहीं जो ढाबे रेस्टोरेंट स्तर पर बदलकर बड़े हो गए उनमें एक दर्जन से अधिक महिला स्टाफकाम करती है पर श्रम विभाग को इन कर्मचारियों की कोई जानकारी नहीं है। नई गाइडलाइन के अनुसार इन ढाबों में कोई समिति भी नहीं बनी अगर मामले को मानव श्रम से हटकर फूड लाइसेंस और खाने की गुणवत्ता, मात्रा और कीमत के दायरे में लाया जाए और ढाबों में सैंपल एकत्र किया जाए तो दर्जनों ढाबों के प्रकरण कोर्ट में नजर आएंगे। कई की खाद्य सामग्रियां मिलावट से भरपूर स्तरहीन पाई जाएगी। यह बात बिलासपुर के आसपास किसी भी रोड पर संचालित धब्बों की है। महिला श्रमिकों को भी न्यूनतम दर से पेमेंट नहीं किया जाता।

### राशनकार्डधारी 28 फरवरी तक कराए ई-केवाईसी

**दुर्ग/** भारत सरकार, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा दिये गये निर्देशानुसार जिले में 'एक राष्ट्र एक राशनकार्ड' (वन नेशन वन राशनकार्ड) योजनांतर्गत सभी हितग्राहियों को आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न वितरण किया जाना है। जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत 4,96,354 राशनकार्ड प्रचलित है। इन राशनकार्डों में 16,86,164 सदस्य पंजीकृत है। इन सदस्यों में 14,86,690 सदस्यों का ई-केवाईसी पूर्ण हो गया है। 1,99,474 लाख सदस्यों का ई-केवाईसी शेष है। भारत सरकार द्वारा 05 वर्ष से कम उम्र के सदस्यों को ई-केवाईसी में छूट दिया गया है। खाद्य नियंत्रक दुर्ग से मिली जानकारी अनुसार सभी उचित मूल्य दुकानों में संचालित ई-पॉस मशीन में ई-केवाईसी की सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा जारी 'मेरा ई-केवाईसी' एप के माध्यम से भी ई-केवाईसी की जा सकती है। मेरा ई-केवाईसी एप के माध्यम से ई-केवाईसी करने हेतु एन्ड्रायड मोबाईल में गूगल प्ले स्टोर से एप डाउनलोड कर हितग्राही राज्य का चयन कर अपना आधार नम्बर डालकर, आधार ओटीपी के माध्यम से फेस ई-केवाईसी कर सकते है। सभी राशनकार्डधारकों से अपील की गई है कि वे अपने राशनकार्ड में सम्मिलित ऐसे सदस्यों जिनका ई-केवाईसी अपूर्ण है, उनका ई-केवाईसी समीपस्थ शासकीय उचित मूल्य दुकान/ मेरा ई-केवाईसी एप के माध्यम से 28 फरवरी 2026 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कराएं।

# बागबाहरा में विकासखण्ड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का सफल आयोजन

**महासमुंद(समय दर्शन)।** विकासखंड स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन विकासखंड बागबाहरा में आयोजित किया गया है। इसके तहत दिनांक 04 फरवरी को मिनी स्टेडियम सुनसुनिया विकासखंड बागबाहरा में आयोजन प्रभारी कुसुम यादव द्वारा आयोजित किया गया।

आयोजन का उद्देश्य महिलाओं में खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करना एवं खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना को लेकर किया गया। इस प्रतियोगिता में 9 से 18 वर्ष एवं 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग की महिला प्रतिभागी खो.खो,

रस्साकसी, वॉलीबॉल, 100 मीटर एवं 400 मीटर दौड़, तवा फेंक खेल विधाओं में शामिल हुए।

प्रतियोगिता में महिला खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का उत्साह के साथ प्रदर्शन किया। आयोजन के मुख्य अतिथि सरपंच लीला सबर व कमलेश कौशिक, रक्षा साहू, कुंज लता गायकवाड़, निराशा ध्रुव, राधिका ठाकुर, यशोदा देवांगन, सुनिता यादव, सोनबती, एकता ठाकुर आदि उपस्थित रहें। प्रतियोगिता के परिणाम ङ्क 9 से 18 वर्ष आयु में 100 मी. दौड़ एवं तवा फेंक में गीतांजली ठाकुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रस्साकसी एवं खो-खो प्रतियोगिता में मुनगासेर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 18 से 35 वर्ष आयु में 100 मी. दौड़ में लक्ष्मी ठाकुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बॉलीबाल प्रतियोगिता में बागबाहरा कॉलेज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रस्साकसी प्रतियोगिता में भानपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को मेड़ल एवं ट्राफी प्रदान कर पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता को संपन्न कराने में कमलेश साहू, कुसुम यादव, सविता बरिहा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

# कलचुरी रत्न सम्मान से सम्मानित हुए प्रकाश सिन्हा

### समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए भूतपूर्व सैनिक लोकनाथ डड़सेना एवं पार्षद राकेश डड़सेना सम्मानित

**बसना( समय दर्शन )।** बसना कलार ने कलार समाज भवन टिकरापारा, बसना में आयोजित बैठक एवं सम्मान समारोह के दौरान जनसेवा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए जनपद पंचायत बसना के सभापति एवं जनपद सदस्य क्षेत्र क्र. 21 अंकोरी प्रकाश सिन्हा को कलार समाज बसना द्वारा कलचुरी रत्न सम्मानङ्क2026 से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान समाज की ओर से उनके सतत जनहितकारी कार्यों की सराहना स्वरूप प्रदान किया गया।

इस अवसर पर प्रकाश सिन्हा के साथ नगर पंचायत बसना के पार्षद राकेश डड़सेना एवं राष्ट्रसेवा में समर्पित सेवानिवृत्त सैनिक लोकनाथ डड़सेना को भी आत्मीय रूप से सम्मानित किया गया, जिससे समारोह और अधिक गरिमामय बन गया।

सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए प्रकाश सिन्हा ने कहा कि कलार समाज द्वारा दिया गया यह सम्मान उनके लिए गर्व के साथ-साथ समाज के प्रति और अधिक जिम्मेदारी का बोध कराता है। उन्होंने समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सदैव समाज के हर वर्ग के हित, सम्मान और विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे और जनसेवा की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी।

इस गौरवमय सम्मान समारोह के अवसर पर बसना शहर मंडल कलार समाज अध्यक्ष जगदीश लाल डड़सेना, सचिव गोपेश कुमार डड़सेना, कार्यवाहक कोषाध्यक्ष एवं सचिव फुलझर परिक्षेत्र कलार समाज बसना, जिला उपाध्यक्ष कलार समाज जिला महासमुंद रमेश डड़सेना, भूतपूर्व सचिव फुलझर परिक्षेत्र कलार समाज सुशील सिन्हा, उपाध्यक्ष बसना नगर कलार समाज बिरेन्द्र डड़सेना, संरक्षक लखन सिन्हा, मनबोध डड़सेना, विधायक प्रतिनिधि बसना डॉ. गिरधारी लाल डड़सेना, शिक्षक दिनेश डड़सेना गुरुजी, भुनेश्वर, समाजसेवक गजानन डड़सेना, कोषाध्यक्ष फुलझर परिक्षेत्र सुरेश डड़सेना, हेम डड़सेना , शिक्षक मनोहर डड़सेना, पितराम सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन, पदाधिकारी एवं समाजबंधु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आयोजन कलार समाज बसना द्वारा गरिमामय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में किया गया, जिसमें समाज की एकजुटता, सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों का सशक्त संदेश देखने को मिला।

# सोनल पब्लिक स्कूल झगरेनडीह में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम आयोजित

### बतौर अतिथि जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान शामिल हुए

**बसना( समय दर्शन )।** झगरेनडीह स्थित सोनल पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मोक्ष कुमार प्रधान (जिला पंचायत सदस्य एवं किरण ऑटो केयर के संचालक) शामिल हुए। दो वर्षों से संचालित स्कूल में इस वर्ष 250 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं।वार्षिकोत्सव में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नृत्य, गीत और विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों की प्रस्तुति को उपस्थित अतिथियों और पालकों ने खूब सराहा।

विद्यालय के संचालक तेजकुमार प्रधान, श्रीमती वीणा प्रधान, तथा प्रिंसिपल क्षीरसागर पात्र ने सभी अतिथियों और पालकों का स्वागत किया और विद्यालय की उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

मुख्य अतिथि मोक्ष कुमार प्रधान ने अपने संबोधन में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और विद्यालय परिवार को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पालकगण और ग्रामीणजन उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम का माहौल और भी उत्साहपूर्ण हो गया।

# माहुलडीह एनिकट प्रभावित 6 किसानों को अब तक नहीं मिला मुआवजा, कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

**सारँगढ़ बिलाईगढ़ टारजन महेश ( समय दर्शन )** – माहुलडीह एनिकट' योजना के लिए अपनी जमीन देने वाले किसान आज भी सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। आज जिले कलेक्टर को ज्ञापन सौपा है जिसमे वर्ष 2014-15 में एनिकट निर्माण के लिए अधिग्रहित की गई भूमि का मुआवजा 10 साल बीत जाने के बाद भी पूरी तरह वितरित नहीं हो सका है। ताजा मामला उन 6 खाताधारकों का है, जिन्होंने शासन के नियमानुसार सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं, लेकिन उनका गणना पत्रक और भुगतान फाइलों में दबा हुआ है।

**सहमति के बाद भी क्यों अटका भुगतान**– प्रभावित किसानों ने बताया कि वर्ष 2020-21 तक मुआवजे का भुगतान हो जाना चाहिए था। लगभग छह माह पूर्व शेष बचे 6 खाताधारकों ने अपनी ओर से प्रारूप 'क' एवं 'स' के तहत लिखित सहमति भी प्रदान कर दी है। किसानों का कहना है कि उनकी ओर से कोई भी दस्तावेजी कार्य शेष नहीं है। इसके बावजूद शासन-प्रशासन द्वारा गणना पत्रक तैयार करने और भुगतान आदेश जारी करने में अनावश्यक देरी की जा रही है।

**किसानों की मांग: तत्काल हो गणना और वितरण**– किसानों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि एक ओर उनकी उपजाऊ जमीन छीन गई और दूसरी ओर उन्हें उनका वाजिब हक नहीं मिल रहा है। । उन्होंने जिला प्रशासन और जल संसाधन विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि:

उक्त 6 खाताधारकों का गणना पत्रक तत्काल तैयार किया जाए।

लंबित मुआवजे की राशि का अविलंब भुगतान सुनिश्चित किया जाए। देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय हो।

**आंदोलन की चेतावनी**– ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही मुआवजे का आदेश जारी नहीं किया गया, तो वे उग्र प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। अब देखना यह है कि प्रशासन इन अन्नदाताओं की पुकार कब सुनता है या फाइलें इसी तरह धूल फांकती रहेंगी।

# जगदीशपुर मे श्री हनुमान मंदिर भूमि पूजन सौभाग्यशाली-महेंद्र साव

**बसना ( समय दर्शन )।** ग्राम जगदीशपुर मे श्री हनुमान मंदिर भूमिपुजन मे अंतराष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रांत महामंत्री महेंद्र साव शामिल हुए और कहा 12 वर्षो के संघर्ष के बाद आज ग्राम जगदीशपुर मे मंदिर का भूमि पूजन होना सौभाग्य का विषय है । हिंदू समाज को ग्राम जगदीशपुर के सनातनियों की तरह संगठित होने की आवश्यकता है। सभी ग्रामवासी सनातनियों को आपस मे समरसता एवं सदभावना बनाये रखने की बात कही। इस भूमिपुजन के अवसर पर राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष मोहन सोनवानी, मोहित प्रधान, भगीरथी प्रधान, लिकेश साहू, आयुष राठौर, हर्ष यादव, प्रथम निषाद, सोनू बंजारा, हेमंत राणा,आयुष डडसेना, विनोद बंजारा, पीयूष डडसेना,विक्रम जगत,परमेस्वर साव,दीपेश पटेल, अनिल,दिनेश, राजेश, लोकेश, पंकज सहित ग्राम वासी उपस्थित रहे।

# प्राथमिक शाला शांतिनगर में वार्षिक उत्सव का हुआ आयोजन

### बौद्धिक, नैतिक एवं शारीरिक शिक्षा आवश्यक

**कोरबा/पाली ( समय दर्शन )** विकासखंड पाली के क्षेत्र अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला शांतिनगर बोईदा में जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीण जनों की गरिमामय उपस्थित में वार्षिक उत्सव मनाया गया। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा मां सरस्वती जी का पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुरूआत हुआ। सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत कुमारी पलाक्शी, कुमारी त्रीशा, कुमारी वैष्णवी द्वारा प्रस्तुत किया गया।जादुई पिटारा,एक और गुरु दक्षिणा, बिजली बचाओ पैसे बचाओ, पानी का सदुपयोग, स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत जैसे शैक्षणिक गतिविधियों के साथ देशभक्ति,छत्तीसगढ़ी जसगीतों में एक से बढ़कर एक कला का प्रदर्शन किया गया। पालकगण बच्चों का उत्साहवर्धन करते रहे। इस तरह के आयोजनों से बच्चे मंच से अपने कला का प्रदर्शन करते हैं जिससे बच्चों में उत्सुकता से और बेहतर करने का जिज्ञासा पैदा होता है।

अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चों की बौद्धिक, नैतिक,शारीरिक एवं सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई लिखाई के साथ-साथ खेल कूद, योगा नृत्य एवं जनसमूह के बीच अपने कलाकार का प्रदर्शन करना आवश्यक होता है। संस्था के प्रधान पाठक मनोज चौबे ने आभार प्रदर्शन करते हुए कहा कि अतिथियों एवं ग्रामीण जनों की उपस्थित से स्कूल में बैठक एवं सभी कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न होता है एवं बच्चों को मार्गदर्शन मिलता है जिससे बच्चे प्रोत्साहित होते हैं। संकुल शैक्षिक समन्वयक सत्य प्रकाश खांडेकर ने वार्षिक परीक्षा की तैयारी सहित आवश्यक जानकारी प्रदान किया। प्राथमिक शाला डिपरापारा मुरली के प्रधान पाठक बुद्धेश्वर सोनवानी ने सभी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए पेन प्रदान किया गया।मंच संचालन संतोष यादव सहायक शिक्षक ने किया। अतिथियों में प्रमुख रूप से सोहन पटेल,तुलाराम सिदार, रामकृष्ण पटेल,चंद्र प्रकाश पटेल,शेखर पटेल,द्वारिका यादव,मनोज पटेल,शैक्षिक समन्वयक सत्य प्रकाश खांडेकर,प्रधान पाठक बुद्धेश्वर सोनवानी,शिक्षक गोविंद राठौर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग ( छ.ग. ) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26